

मोपाल

27 अक्टूबर 2026

मंगलवार

आज का मौसम

 33.9 अधिकतम

 16.4 न्यूनतम

न्यूज विंडो

चक्रवात 'अर्नब' हुआ प्रचंड ओडिशा में स्कूल-कॉलेज बंद



ओडिशा। बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवात अर्नब अब प्रचंड तूफान का रूप ले चुका है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार यह तूफान कल सुबह आंध्र प्रदेश और यानम तट पर बापटला से विशाखापत्तनम के बीच, यानम के करीब, लैंडफॉल कर सकता है। लैंडफॉल के समय हवा की रफ्तार 115 से 125 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी और झोंके 140 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकते हैं। मौसम संबंधी खतरे और भारी बारिश के पूर्वानुमान के बीच ओडिशा के गंजाम जिले में आज से 29 अक्टूबर तक सभी स्कूल-कॉलेज बंद रखने का आदेश जारी किया गया है। 8 ट्रेन भी रद्द कर दी गई हैं। इनमें विशाखापत्तनम-किरंदुल नाइट एक्सप्रेस, विशाखापत्तनम-कोरापुट पैसंजर, कोरापुट-विशाखापत्तनम पैसंजर,विशाखापत्तनम-कोरापुट इंटरसिटी एक्सप्रेस और विशाखापत्तनम-किरंदुल पैसंजर शामिल हैं।

भोपाल के वीआईपी रोड पर खंभे से टकराई बस, 11 छात्र घायल



भोपाल। शहर में आज सुबह वीआईपी रोड पर छात्रों से भरी बस हादसे का शिकार हो गई। राजा भोज प्रतिमा और करबला के बीच मोड़ पर बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इसके बाद बस एक खंभे से जा लगी। हादसे में विद्यार्थियों और बस में सवार स्टाफ सहित करीब 10 से 11 लोग घायल हुए हैं। इनमें बस स्टाफ के तीन सदस्य भी शामिल हैं।

गुजरात-पटना समेत चार हाई कोर्ट के जज बनेंगे मुख्य न्यायाधीश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने चार हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए जजों के नामों की सिफारिश की है। 26 अक्टूबर को हुई बैठक के बाद जारी बयान में इन सिफारिशों की जानकारी दी गई। कॉलेजियम ने तेलंगाना हाई कोर्ट के जस्टिस पी. सैम कोशी को दिल्ली हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाने की अनुशंसा की है। गुजरात हाई कोर्ट के जस्टिस मानश रंजन पाठक को इसी हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की गई है।

जर्मनी में युवक ने भीड़ पर चढ़ाई बीएमडब्ल्यू कार, 5 लोग घायल

बर्लिन। उत्तरी जर्मनी में एक कार चालक ने जानबूझकर लोगों को टक्कर मार दी। इसमें कई लोग घायल हो गए। पुलिस अधिकारी ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को मामले की जानकारी देते हुए बताया कि न्यूस्ट्रेड एम रुबेनबर्ग में बीएमडब्ल्यू कार को आरोपी ने जानबूझकर लोगों के एक समूह पर चढ़ा दिया। इस घटना में चार से पांच लोग घायल हो गए। इनमें से कुछ को मामूली चोट आई है वहीं कुछ लोग गंभीर रूप से घायल हैं। पुलिस की एक टीम पास में ही रूटीन ट्रैफिक चेकिंग कर रही थी, टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को कंट्रोल किया। पुलिस ने बताया कि घटना के दौरान अधिकारियों ने गाड़ी पर गोलियां भी चलाईं। ड्राइवर फरार हो गया।

आज का कार्टून

खड़गे जी..मर्यादा क्यों लांघ गये ?



डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेंद्रो

आईटी सेक्टर में 1993 के बाद पहली बार... AI का नया सिस्टम बनाने पर होगा खर्च

माइक्रोसॉफ्ट ने 60 हजार कर्मियों को दिया नौकरी छोड़ने का ऑफर

वाशिंगटन / नई दिल्ली , एजेंसी

माइक्रोसॉफ्ट ने अमेरिका, कनाडा, भारत और ब्रिटेन में अपने कर्मचारियों के एक बड़े हिस्से के लिए स्वेचिछक रूप से नौकरी छोड़ने की योजना शुरू की है। कंपनी ने यह कदम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े बुनियादी ढांचे पर बढ़ते खर्च और वित्तीय दक्षता के बीच संतुलन बनाने के लिए उठाया है। कंपनी की इस नई योजना का नाम वॉलेंटरी एग्जिट ऑफर है। इसके तहत 70 या उससे कम स्तर के पात्र कर्मचारियों को कंपनी छोड़ने का विकल्प दिया गया है। अमेरिकी समाचार चैनल सीएनबीसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि करीब 60 हजार कर्मचारी इस योजना के दायरे में आते हैं। यह माइक्रोसॉफ्ट के कुल 2.23 लाख कर्मचारियों का लगभग 22 प्रतिशत है।

माइक्रोसॉफ्ट एआई की बढ़ती कंप्यूटिंग जरूरतों को पूरा करने के लिए डेटा सेंटर पर निवेश बढ़ा रही है। कंपनी एंथ्रोपिक, ओपनएआई और कई अन्य कंपनियों को क्लाउड सेवाएं भी उपलब्ध कराती है। माइक्रोसॉफ्ट ने जुलाई में कहा था कि सितंबर तिमाही में उसका पूंजीगत खर्च 50 अरब डॉलर से अधिक रहने की उम्मीद है। पिछले साल इसी तिमाही में पूंजीगत खर्च और वित्तीय लीज का कुल आंकड़ा 34.9 अरब डॉलर था।

विज्ञापन इस बढ़ते खर्च का असर कंपनी की वित्तीय स्थिति पर भी पड़ रहा है। अप्रैल में माइक्रोसॉफ्ट ने पहली बार अमेरिका में कर्मचारियों के लिए स्वेचिछक सेवानिवृत्ति कार्यक्रम की घोषणा की थी। इसके दायरे में करीब सात प्रतिशत अमेरिकी कर्मचारी आ सकते थे। इसके बाद जुलाई में कंपनी ने 4,800 कर्मचारियों की छंटनी की योजना घोषित की।

अगला विकल्प चुनने का मौका

माइक्रोसॉफ्ट की कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य मानव संसाधन अधिकारी एमी कोलमैन ने कर्मचारियों को भेजे गए संदेश में कहा कि वॉलेंटरी एग्जिट ऑफर कंपनी में बदलाव की प्रक्रिया को अधिक लचीला बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा, 'वॉलेंटरी एग्जिट ऑफर इस बात का महत्वपूर्ण हिस्सा है कि हम बदलाव के प्रति अपना दृष्टिकोण कैसे विकसित कर रहे हैं। इसका उद्देश्य अधिक लचीलापन पैदा करना और जहां संभव हो, कर्मचारियों को अपने करियर के अगले चरण के बारे में फैसला लेने के अधिक विकल्प देना है। यह इस साल की शुरुआत में वॉलेंटरी रिटायरमेंट प्रोग्राम से मिली सीख पर आधारित है। '

बदल रहा कारोबारी मॉडल

माइक्रोसॉफ्ट अपने कारोबारी मॉडल में भी बदलाव कर रही है। कंपनी ग्राहकों से एआई सेवाओं के वास्तविक इस्तेमाल के आधार पर शुल्क लेने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उसने प्रोग्रामर, बिक्री कर्मचारियों और स्प्लाइ चैन से जुड़े कर्मचारियों को एआई टूल उपलब्ध नतीजे देखे हैं। कंपनी का उद्देश्य एआई से जुड़े नए विकास के अवसरों का लाभ उठाने के लिए जरूरी प्रतिभाओं को बनाए रखना और अपने खर्च पर नियंत्रण रखना है।

मामले से परिचित व्यक्ति के मुताबिक, मार्केटिंग, बिक्री और इंजीनियरिंग की कुछ टीमों ने इस नई योजना में शामिल नहीं होने का फैसला किया है। पात्र कर्मचारियों को दिसंबर की शुरुआत में यह तय करना होगा कि वे ऑफर स्वीकार करना चाहते हैं या नहीं। जुलाई में माइक्रोसॉफ्ट ने बताया था कि स्वेचिछक सेवानिवृत्ति कार्यक्रम के लिए पात्र 30 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने इसे अपनाया था। हालांकि, वह योजना 67 या उससे कम स्तर के वरिष्ठ निदेशकों तक सीमित थी, जबकि नई योजना का दायरा उपाध्यक्ष स्तर तक है। सूत्र के अनुसार, इस बार माइक्रोसॉफ्ट ने यह लक्ष्य तय नहीं किया है कि कितने कर्मचारी इस ऑफर को स्वीकार करें।



लॉरेंस बिश्नोई साबरमती जेल के हाई सिक्वोरिटी ब्लॉक में शिफ्ट



अहमदाबाद, एजेंसी। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को अहमदाबाद की साबरमती सेंट्रल जेल के हाई-सिक्वोरिटी '200 खोली' ब्लॉक में शिफ्ट किया गया है। इस ब्लॉक में 2008 सीरियल ब्लास्ट के आतंकियों समेत गंभीर अपराधों के दोषियों को रखा गया है। लॉरेंस को अलग रखने और कैदियों की एक-दूसरे की सेल में आवाजाही रोकने के लिए ब्लॉक को चार हिस्सों में बांटा गया है। हर हिस्से में 50 कैदी हैं। लॉरेंस इस जेल में 10 मई 2023 से बंद है।

लॉरेंस के नेटवर्क पर लगाम लगाने के लिए यह कदम उठाया गया है। जांचकर्ताओं के मुताबिक, पिछले दो साल से लॉरेंस का कोई सीधा संपर्क सामने नहीं आया है। साबरमती जेल में बंद होने के बावजूद उसका गिरोह विदेश से संचालित हो रहा है। 18 अक्टूबर को मुंबई में एक्टर टाडार श्राफ पर फायरिंग हुई थी। इस हमले की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग से जुड़े अनिल पंडित ने ली थी। लॉरेंस को इससे पहले साबरमती जेल के ही '10 खोली' नाम के हाई-सिक्वोरिटी ब्लॉक में रखा गया था, जहां सिर्फ 10 कैदियों के रहने की जगह थी। इससे पहले वह दिल्ली की तिहाड़ जेल और पंजाब की अलग-अलग जेलों में भी बंद रह चुका है।

तीसरा टी-20: टॉस जीतकर भारत कर रहा बॉलिंग



खराब शुरुआत के बाद संभला न्यूजीलैंड, 1 विकेट पर 50 रन पर

वेलिंगटन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 5 टी-20 मैचों की सीरीज का तीसरा मुकाबला आज वेलिंगटन में खेला जा रहा है। इसमें भारत ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। शुरुआती दोनों मैच जीतकर टीम इंडिया 2-0 से आगे है। इस मैच को जीतकर भारतीय टीम सीरीज जीतने के इरादे से मैदान में उतरी है। हालांकि भारत ने टीम में कोई बदलाव नहीं किया है। वैभव सर्वथवंशी को फिर मौका मिला है। वहीं, कीवी टीम ने तीन बदलाव किए हैं। न्यूजीलैंड की ओर से टिम सीफर्ट और फिन ऐलेन बल्लेबाजी करने उतरे। टिम सीफर्ट 6 गेंदों पर 2 रन बनाकर अर्शदीप की गेंद पर आऊट हो गए। 14 गेंदों पर 23 रन बनाकर खेल रहे फिन ऐलेन के साथ डैरेल मिचेल मैदान में उतरे। वे 7 गेंदों में 13 रन बनाकर खेल रहे हैं।

हलफनामे में बोले ज्ञानेश कुमार

नई दिल्ली, एजेंसी

एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई 10 दिनों के लिए टल गई है। चुनाव आयोग के हलफनामे के बाद कोर्ट में याचिकाकर्ताओं से जवाब मांगा है। इससे पहले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो चुनाव अधिकारों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने सोमवार देर रात सुप्रीम कोर्ट में एक दायर संयुक्त हलफनामे में कहा है कि आयोग के कामकाज में रुकावट डालने की कोई भी कोशिश कानून के खिलाफ होगी। करीब 250 पन्नों के इस दस्तावेज में कहा गया है

कि प्रष्टष्ट को उनके पद से उसी तरह और उन्हीं आधारों पर हटाया जा सकता है, जिस तरह सुप्रीम कोर्ट के किसी जज को हटाया जाता है। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में कहा है कि ज्ञानेश कुमार को काम करने से रोकने की मांग वाली याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। हलफनामे में, चुनाव निकाय ने अपनी निर्णय लेने की प्रक्रिया और मतदाता सूचियों के ' विशेष गहन पुनरीक्षण '

प्रेस की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकार

डिजिटल मीडिया पर अंकुश वाले एक्ट को लेकर सरकार को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने देश के डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिका में डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट 2023 के कई प्रावधानों की संवैधानिकता को चुनौती दी गई है। मीडिया हाउसेस का कहना है कि अगर यह कानून प्रेस पर लागू होता है, तो इससे इन्वेस्टिगेटिव जर्नालिज्म बाधित होगी, गोपनीय सूत्रों की पहचान खतरे में पड़ जाएगी और न्यूजरूम लगभग बंद होने की कगार पर पहुंच जाएंगे। चीफ जस्टिस सुर्वकांत की अगुवाई वाली पीठ ने सुनवाई के दौरान मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता कानून के संभावित दुरुपयोग को रोकने के तरीके सुझाने और निर्दोष नागरिकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने में केंद्र सरकार की सबसे बेहतर मदद कर सकते हैं।

भोपाल-सागर, जबलपुर में एक साथ छापेमारी...

एसजीएसटी अफसर पर लोकायुक्त का शिकंजा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

आय से अधिक संपत्ति की शिकायत पर लोकायुक्त पुलिस ने आज तड़के 6 बजे राज्य जीएसटी विभाग के वाणिज्यिक कर अधिकारी मनीष कुमार जैन के ठिकानों पर छापेमारी की। जबलपुर, भोपाल और सागर में एक साथ तलाशी ली जा रही है। जबलपुर की रिलाएबल डेवलपर कॉलोनी में रहने वाले जैन फिलहाल दमोह में पदस्थ हैं।

शुरुआती जांच में जैन की कुल आय 1.03 करोड़ रुपए पाई गई, जबकि खर्च 3.78 करोड़ रुपए का आँका गया है। लोकायुक्त के अनुसार, खर्च आय से 264.64 फीसद ज्यादा है। लोकायुक्त एसपी अंजूलता पटले ने जैन के खिलाफ आई शिकायत की जांच इस्पेक्टर बृज मोहन सिंह नरवरिया से कराई तो आरोप सही पाए गए। इसके बाद छापेमारी की गई।

पत्नी व माता-पिता के नाम संपत्तियां

जांच में अधिकारी जैन, उनकी पत्नी निधि जैन, पिता कोमलचंद जैन और माता शशि जैन के नाम पर संपत्तियों की जानकारी मिली है। संपत्तियों में जबलपुर और भोपाल में जमीन, प्लॉट, बंगला और फ्लैट व सागर जिले के बंडा में प्लॉट पर बना मकान शामिल है। मनीष मूलतः सागर जिले के बंडा के रहने वाले हैं। पिता घर पर मेडिकल स्टोर चलाते हैं। जबलपुर में अधिकारी मनीष कुमार जैन की 1.43 करोड़ की 278.74 वर्गमीटर भूमि मिली। वहीं, पत्नी निधि जैन के नाम 9.56 लाख रुपए की 116.14 वर्गमीटर भूमि है।

भोपाल में पत्नी के नाम 22.84 लाख रुपए की 180 वर्गमीटर भूमि, 16.68 लाख का 402.41 वर्गमीटर प्लॉट, 13.34 लाख का 83.18 वर्गमीटर में बना फ्लैट। सागर के बंडा में मा शशि जैन के नाम 23.49 लाख का 92.93 वर्गमीटर प्लॉट पर बना मकान। पिता कोमलचंद जैन के नाम 43.19 लाख रुपए का 91.07 वर्गमीटर का प्लॉट, 2.86 लाख का 111.48 वर्गमीटर का प्लॉट है। निधि के नाम की कार और अधिकारी व परिवार के सदस्यों के नाम 33.93 लाख रुपए की बीमा पॉलिसी मिली है।

मेट्रो एंकर

कमर दर्द और मांसपेशियों में खिंचाव के साथ एलर्जी-अस्थमा के लक्षण बढ़ने का खतरा

रीढ़ और फेफड़ों की सुरक्षा पर भारी न पड़े दीपावली की सफाई

टी

पावली पर घरों और दुकानों की सफाई में लोग अक्सर एक ही दिन जरूरत से ज्यादा मेहनत कर लेते हैं। छत, पंखे, अलमारियां और स्टोर रूम साफ करते समय बार-बार झुकना, भारी सामान उठाना और धूल के संपर्क में आना सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। गलत तरीके से वजन उठाने से कमर दर्द और मांसपेशियों में खिंचाव हो सकता है, जबकि हवा में फैली धूल और फफूंद के कण एलर्जी, खांसी तथा अस्थमा के लक्षण बढ़ा सकते हैं। इसलिए सफाई की योजना बनाने समय घर की स्वच्छता के साथ शरीर की सुरक्षा का ध्यान रखना भी जरूरी है।

रीढ़ की हड्डी शरीर को सहारा देने और तंत्रिकाओं की सुरक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कमर से बार-बार झुककर भारी सामान उठाने, झटके से

रीढ़ को सुरक्षित रखने के उपाय

भारी सामान उठाते समय घुटने और कूल्हे मोड़ें, कमर से न झुकें। वजन को शरीर के पास रखें और उठाते समय कमर घुमाने से बचें। भारी अलमारी, सोफा या अन्य सामान अकेले न खिसकाएं। हर 30 से 45 मिनट में विराम लेकर शरीर की मुद्रा बदलें। पहले से कमर दर्द होने पर क्षमता के अनुसार काम करें। दर्द बढ़े तो रुकें और चिकित्सकीय सलाह लें।

धूल और सांस की परेशानी से बचें

सूखी झाड़ू के बजाय हल्के गीले कपड़े या उपयुक्त वैक्यूम क्लीनर का इस्तेमाल करना चहिये। साथ ही धूलभरी सफाई में सही फिटिंग वाला एन 95 मास्क पहनें और जरूरत के अनुसार आंखों की सुरक्षा के लिए चश्मा लगाएं। अस्थमा या एलर्जी होने पर निर्धारित दवाएं और इलाज का प्लान रखें। सफाई के रसायनों को आपस में नहीं मिलाना चाहिए। सांस लेने में गंभीर कठिनाई हो तो तुरंत चिकित्सा सहायता लें।

तो... डॉक्टर से जरूर परामर्श लें

पुराने गद्दों, पर्दों, कालीनों, अलमारियों और बंद कमरों में जमा धूल तथा फफूंद के कण सफाई के दौरान हवा में फैल सकते हैं। इससे छींक, खांसी, आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी हो सकती है। अस्थमा या एलर्जी से पीड़ित लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। सूखी झाड़ू के बजाय हल्के गीले माइक्रोफाइबर कपड़े या उपयुक्त फिल्टर वाले वैक्यूम क्लीनर का उपयोग करें। हर 30 से 45 मिनट में विराम लें, शरीर की मुद्रा बदलें और पानी पीते रहें। कमर दर्द की पुरानी समस्या होने पर किसी सहायक बेल्ट का इस्तेमाल चिकित्सकीय सलाह से ही करें। सांस लेने में गंभीर कठिनाई या सीने में जकड़न होने पर भी देर न करें। सफाई के बाद खांसी, घरघराहट या सांस फूलने की परेशानी बनी रहे तो डॉक्टर से परामर्श लें।

अकेले उठाने या खिसकाने की कोशिश न करें। लंबे हैंडल वाले सफाई उपकरण इस्तेमाल करें और लगातार झुककर काम करने से बचें।

दिवाली से पहले बढ़ रही भोपाल स्टेशन पर भीड़, सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं

भोपाल। दोपहर मेट्रो

दीपावली में अब 12-13 दिन शेष हैं और रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ बढ़ने लगी है। त्योहार पर बड़ी संख्या में लोग अपने घरों के लिए सफर करेंगे। इनमें परिवारों के साथ यात्रा करने वालों से लेकर रात में अकेले सफर करने वाली महिलाएं भी शामिल हैं। ऐसे में स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था कितनी मुस्तैद है, खासकर रात के समय महिला यात्रियों को कितनी सहजता और सुरक्षा मिल रही है, यह जानने के लिए रविवार रात रानी कमलापति और भोपाल रेलवे स्टेशन का जायजा लिया गया। रात 10 बजे रानी कमलापति स्टेशन पहुंचने पर प्लेटफार्म नंबर पांच और एक के बाहर सड़क से प्रवेश द्वार तक कैब और ऑटो ड्राइवों की भीड़ नजर आई। यात्रियों की आवाजाही के बीच प्रवेश क्षेत्र में जीआरपी का कोई जवान मौके पर दिखाई नहीं दिया। त्योहार से पहले बढ़ती भीड़ के बीच प्रवेश और निकास द्वारों पर सुरक्षाकर्मियों की मौजूदगी यात्रियों में भरोसा बढ़ा सकती है।



भोपाल स्टेशन- सड़क से निकास द्वार तक आवाजाही की चुनौती

रात करीब 11:10 बजे भोपाल रेलवे स्टेशन पर सड़क से लेकर प्रवेश-निकास क्षेत्र तक ऑटो और कैब की आवाजाही दिखाई दी। कुछ ड्राइवर ऑटो में बैठकर यात्रियों का इंतजार कर रहे थे, जबकि कुछ निकास द्वार के पास यात्रियों से चलने के लिए पूछ रहे थे। इस दौरान मौके पर कोई सुरक्षाकर्मी नजर नहीं आया। महिला यात्री प्रगति ने बताया कि वह कैब बुक करने की कोशिश कर रही थीं, लेकिन उन्हें कैब नहीं मिल रही थी। वहीं, कई लोग उनसे अपने साथ चलने के लिए पूछ चुके थे। ऐसे में यात्रियों के लिए अधिक स्पष्ट पिकअप व्यवस्था और सुरक्षा कर्मियों की दृश्य मौजूदगी उपयोगी साबित हो सकती है।

न्यूज़ विडो

ग्वालियर में पदस्थ डीडीपी के भोपाल स्थित घर से 12 बोर की लाइसेंसी बंदूक चोरी

भोपाल। अधूरी इलाके में बंद मकान को निशाना बनाकर अज्ञात चोर 12 बोर की लाइसेंसी दो नाली बंदूक चोरी कर ले गए। बंदूक की कीमत करीब 50 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस के मुताबिक, रामेश्वर कुमरे (53) वर्तमान में ग्वालियर में छिटी डायरेक्टर ऑफ़ पुलिस (डीडीपी) के पद पर पदस्थ हैं। भोपाल स्थित उनका मकान अक्सर बंद रहता है। 18 अक्टूबर की शाम करीब 5 बजे वे मकान में ताला लगाकर रायसेन जिले के गैरगंज थाना क्षेत्र स्थित अपने फार्म हाउस चले गए थे। अगले दिन सुबह करीब 8:30 बजे उनके यहां काम करने वाली नेहा पटेल घर पहुंची तो मुख्य गेट का कुंडा टूटा मिला। मकान में चोरी होने की आशंका पर उसने रामेश्वर को फोन कर सूचना दी। इसके बाद उन्होंने डायल-112 पर भी शिकायत की थी। उस समय उन्हें चोरी गए सामान की जानकारी नहीं थी। 25 अक्टूबर को भोपाल स्थित मकान पहुंचकर उन्होंने सामान की जांच की तो अलमारी में रखी 12 बोर की ह्राफ दो नाली बंदूक गायब मिली। पुलिस अब घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

कॉलेज के पास ट्रक की चपेट में आए जीजा-साली, युवक की मौत

भोपाल। खजूरी सड़क इलाके में आध्याल कॉलेज के पास सोमवार दोपहर ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसकी 17 वर्षीय साली गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, मिलन सहहरिया (28) निवासी विदिशा, मूलरूप छपर में मजदूरी करता था। सोमवार दोपहर वह गांव से अपनी साली आरती (17) को बाइक पर लेकर लौट रहा था। आध्याल कॉलेज के पास ट्रक के अचानक सड़क किनारे आने से बाइक सवार उसकी चपेट में आ गए। हादसे में मिलन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आरती गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायल किशोरी को अस्पताल पहुंचाया।

भैरव बाबा मंदिर में फिर हुई चोरी बंद दान पेटी तोड़ ले गए बदमाश

भोपाल। कनौज के भैरव बाबा मंदिर में चोरों ने दोबारा धावा बोल दिया। रविवार-सोमवार की दरमियानी रात बदमाश मंदिर का ताला तोड़कर दुर्गा मंदिर के सामने रखी दान पेटी उठा ले गए। पेटी से रकम निकालने के बाद उसे पास की झाड़ियों में फेंक दिया। मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में बदमाशों की करतूत कैद हुई है। करीब एक महीने पहले इसी परिवार के शिव मंदिर को दान पेटी भी चोरी हुई थी। पुलिस के मुताबिक पुजारी दिनेशा पचौरी (82) ने रविवार रात करीब 10 बजे शयन आरती के बाद मंदिर बंद किया था। इसके बाद वह कमरे में सोने चले गए। रात करीब ढाई से तीन बजे के बीच मंदिर की तरफ से आवाज सुनाई दी। बाहर निकलकर देखा तो मुख्य चैनल गेट का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर जांच की तो दान पेटी गायब थी। दान पेटी करीब एक साल से नहीं खोली गई थी। ऐसे में उसमें कितनी रकम जमा थी, इसका अंदाजा नहीं लग पाया है।

कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराज्यीय बस टर्मिनल पर हादसे के बाद भी चिंताजनक स्थिति

आईएसबीटी में हाइड्रेंट नहीं, फायर एक्सटिंग्विशर के भरोसे चार मंजिला भवन

भोपाल। दोपहर मेट्रो

कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी) में रविवार को आग लगने से आठ बसें जलकर खाक हो गईं। घटना ने परिसर की अग्नि सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यहां फायर हाइड्रेंट नहीं हैं और चार मंजिला इमारत के कार्यालयों की सुरक्षा फायर एक्सटिंग्विशर के भरोसे है। गनीमत रही कि आग के समय बसों में यात्री नहीं थे। पुलिस जांच में सामने आया कि घटनास्थल के पीछे लगे बीसीएलएल के सीसीटीवी कैमरे बंद थे। पुलिस इनके बंद होने का समय और कारण पता कर रही है। वहीं, घटना के 24 घंटे बाद भी बस मालिक ने एफआईआर दर्ज नहीं कराई थी। आईएसबीटी की सबसे बड़ी चिंता इसका ढांचा है। निचले हिस्से में बसों की आवाजाही और पार्किंग होती है। ऊपर की मंजिलों पर कार्यालय हैं और इसी परिसर में नगर निगम का परिषद सभागार भी है, जहां परिषद की बैठकें होती हैं। बैठक के दौरान महापौर, अध्यक्ष, पार्षद, निगम अधिकारी-कर्मचारी और अन्य लोग एक साथ मौजूद रहते हैं। यानी किसी बड़े अग्निकांड की स्थिति में खतरा सिर्फ बसों तक सीमित नहीं रहेगा। यदि नीचे खड़ी बसों में आग भड़कती है तो धुआं और लपटें ऊपर के कार्यालयों तक पहुंच सकती हैं। वहीं, ऊपरी मंजिल के किसी कार्यालय में आग लगने पर कर्मचारियों और आम लोगों को सुरक्षित बाहर निकालना बड़ी चुनौती बन सकता है। ऐसे में सवाल सिर्फ दमकल के पहुंचने का नहीं, बल्कि दमकल आने से पहले आग को रोकने की व्यवस्था का है।

निजी कामों में उपयोग हो रही बीएमएचआरसी की एंबुलेंस

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बीएमएचआरसी में गैस पीड़ित मरीजों की मदद के लिए तैनात एंबुलेंस वाहन निजी काम में उपयोग हो रहे हैं। गैस पीड़ित संगठन के संयोजक बालकृष्ण नामदेव का कहना है कि बीएमएचआरसी के पास करीब 3 एंबुलेंस हैं। यह वाहन अस्पताल स्टाफ के बच्चों को स्कूल लाने और छोड़ने का काम करते हैं, या फिर दिन भर अस्पताल परिसर में खड़े रहते हैं। जब भी गैस पीड़ित मरीजों को एंबुलेंस की जरूरत होती है तो उन्हें यह उपलब्ध नहीं होती और मजबूरी में मरीजों को दूसरे निजी वाहनों से किराया देकर अस्पताल आना जाना पड़ता है।

नीचे बसें, ऊपर टपतर... बीच में सुरक्षा का खालीपन



अनुसुझा सवाल: 8 बसें कैसे खड़ी थीं

आईएसबीटी में करीब 400 बसों का संचालन होता है। निगम के अनुसार, परिसर बस स्टैंड है, पार्किंग नहीं। ऐसे में निर्धारित जगह पर आठ से अधिक बसें एक साथ रात में कैसे खड़ी थीं, इसकी जांच जरूरी है। ऐसेकोई अपरिहार्य स्थिति बनती है तो इसका जिम्मेदार कौन होगा। यह भी एक गंभीर विषय बना हुआ है।

दमकल की गाड़ी कहीं और हो तो क्या होगा?

फायर हाइड्रेंट पहली सुरक्षा पवित्र का काम करते हैं। पर्याप्त पानी, दबाव, पंप और प्रशिक्षित कर्मचारी हों तो आग को फैलने से पहले रोक जा सकता है। लेकिन आईएसबीटी की ग्राउंड रिपोर्ट में हाइड्रेंट व्यवस्था नहीं मिली।

घटना की जांच कराई जा रही है, साथ ही यह देखा जा रहा है कि आईएसबीटी परिसर में बसें रात में क्यों और किसने खड़ी करवाई थीं। आईएसबीटी बसों का पार्किंग स्थल नहीं है, इसके साथ ही आईएसबीटी का फायर ऑडिट कराया जा रहा है.

- रामप्रकाश अहिरवार, आयुक्त, नगर निगम

परिसर का फायर ऑडिट जरूरी

आग के बाद आईएसबीटी का जमीनी फायर ऑडिट जरूरी है। इसमें हाइड्रेंट, पानी व पंप की क्षमता, अग्निशमन यंत्रों की वैधता, अलार्म, आपातकालीन निकास, दमकल के रास्तों व धुआं निकालने की व्यवस्था की जांच हो। मौक ड्रिल से सुरक्षित निकासी की तैयारी भी परखी जाए।

फायर एक्सटिंग्विशर बेकार

परिसर के कार्यालयों में लगे एक्सटिंग्विशर्स में से ज्यादातर के एक्स्पायर होने की बात सामने आई है। ऐसे में आग लगने पर तत्काल बचाव के लिए इनका इस्तेमाल कितना प्रभावी होगा, इस पर सवाल उठ रहे हैं। निगम खुद शहर की इमारतों में अग्नि सुरक्षा की जांच करता है।

त्योहारों को देखते हुए यह सुझाव सामने आए

- रात में भी सुरक्षाकर्मियों की तैनाती हो।
- प्लेटफार्म, प्रतीक्षालय और निकास द्वार पर गश्त बढ़े।
- पिकअप प्वाइंट तय कर निगरानी की जाए।
- त्योहार पर भीड़ के अनुसार जवानों की तैनाती बढ़े।
- कैमरों की सक्रियता और मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो।
- अंधरे स्थानों पर लाइट और दिशा-सूचक लगाए जाएं।
- महिला यात्रियों की शिकायत पर तुरंत कार्रवाई हो।
- बुजुर्गों की परेशानी पर भी विशेष ध्यान रखें।

10 जीआरपी कर्मी निगरानी करते हैं

सुबह और शाम पेट्रोलिंग की जाती है। अलग-अलग शिफ्ट में 10 जीआरपी कर्मी तैनात रहकर निगरानी करते हैं। सीमित स्टाफ के कारण हर स्थान पर एक कर्मचारी को लगातार खड़ा रखना संभव नहीं है।

- अंकित जायसवाल, पुलिस अधीक्षक रेल, भोपाल

आरपीएफ के दो अधिकारी भी मौजूद रहते हैं

स्टेशन की निगरानी सीसीटीवी से की जाती है। आठ-आठ घंटे की शिफ्ट में पांच-पांच पुलिसकर्मी और दो अधिकारी मौजूद रहते हैं, ताकि किसी घटना को समय रहते रोका जा सके।

- केएस रावत, आरपीएफ इंस्पेक्टर, आरकेएमपी

45 लाख लीटर सीवेज का होता था ट्रीटमेंट

छह महीने से बंद भेल का सीवेज प्लांट, एनजीटी ने लिया स्वतः संज्ञान

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बरखेड़ा पठानी स्थित भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) का सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) पिछले छह महीने से बंद होने के मामले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने स्वतः संज्ञान लिया है। प्लांट बंद रहने से परिसर में सीवेज जमा होने और उसके ओवरफ्लो होने की खबरों को गंभीर पर्यावरणीय चिंता मानते हुए अधिकरण ने भोपाल कलेक्टर, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एनजीटी), नगर निगम आयुक्त और भेल के जनसंपर्क अधिकारी को पक्षकार बनाया है। सभी से चार सप्ताह में ई-फाइलिंग पोर्टल के माध्यम से जवाब मांगा गया है।

सोमवार को केंद्रीय क्षेत्रीय पीठ में न्यायमूर्ति शिव कुमार सिंह और विशेषज्ञ सदस्य सुधीर कुमार चतुर्वेदी की पीठ ने संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। मामले की अगली सुनवाई 17 दिसंबर को होगी।

रोज 45 लाख लीटर सीवेज के उपचार की क्षमता: आदेश के अनुसार, प्लांट की प्रतिदिन 45 लाख लीटर सीवेज उपचार की क्षमता है। इसका निर्माण कई करोड़ रुपए की लागत से किया गया था। इसके छह महीने से बंद रहने के कारण परिसर में गंदा पानी जमा होने और बहने की स्थिति बनी हुई है।



संयुक्त समिति करेगी स्थल निरीक्षण

हदअ ने भोपाल कलेक्टर और मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव की ओर से नामित प्रतिनिधियों की संयुक्त समिति बनाने के निर्देश दिए हैं। समिति मौके का निरीक्षण कर स्थिति और की गई कार्रवाई पर तथ्यात्मक रिपोर्ट तैयार करेगी। रिपोर्ट छह सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करनी होगी। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड समिति के कामकाज के समन्वय के लिए नोडल एजेंसी रहेगा। अधिकरण की रजिस्ट्री को आवेदन और संबंधित दस्तावेज एक सप्ताह में समिति तथा प्रतिवादियों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। समिति को अपनी रिपोर्ट ईमेल से भी भेजनी होगी।

आसपास के रहवासियों और किसानों ने गंदे पानी तथा दुर्गंध से परेशानी की शिकायत की है।

मेट्रो एंकर

जिला चिकित्सालय में बजट का ना होना बना मरीजों की मुसीबत

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी के सबसे बड़े जिला चिकित्सालय जेपी में मरीजों की सुविधा उलझन में है। यहां की लिफ्ट पिछले कई महीनों से बंद पड़ी है। हालांकि इस संदर्भ में अस्पताल प्रशासन का कहना है कि इसके लिए बजट की प्रतीक्षा है। अस्पताल के पुराने सी ब्लॉक में जिस जगह प्रसूति वार्ड संचालित होता है, वहां की तीनों लिफ्ट आधा साल से बंद पड़ी हुई हैं। इसके बाद बाजू में जहां सोनाग्राफी केंद्र बना हुआ है, वहां पर लिफ्ट दो साल पहले बंद थी।

फिर एनआरएचएम के निर्देश हुए तो कुछ समय के लिए शुरू

किया गया। अब फिर यह लिफ्ट भी बंद पड़ी हुई है। नवीन ए ब्लॉक में दो लिफ्ट हैं, जिनमें से एक लिफ्ट ही है जो संचालित हो रही है। तकरीबन छह महीनों से लिफ्टों का संचालन पूरी तरह से बंद पड़ा हुआ है। सिर्फ एक ही लिफ्ट ए ब्लॉक में चल रही है, जिसका उपयोग सिर्फ डॉक्टरों या और वीआईपी के लिए हो रहा है। जबकि मरीजों के लिए यह सुविधा दूर-दूर तक नहीं है। जेपी अस्पताल के अधीक्षक डॉ संजय जैन ने का कहना है कि लिफ्टों का रखरखाव करने के लिए बजट की प्रतीक्षा है। जैसे ही धनराशि प्राप्त होती है, तो तत्काल लिफ्टों का रखरखाव कर चालू किया जाएगा।



गंभीर मरीजों के लिए बनाई सुविधा

गर्भवती महिलाओं से लेकर अन्य वे मरीज जिनका ऑपरेशन हुआ है उनके लिए लिफ्ट जरूरी है, लेकिन अस्पताल में यह व्यवस्था ठप रहने से रोगियों को भारी परेशानी उठनी पड़ रही है। अनेक अटेंडरों ने बताया कि इतना बड़ा अस्पताल है, फिर यह अनदेखी क्यों हो रही है। जिन मरीजों के ऑपरेशन हुए हैं। उन्हें भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

एक हजार से अधिक मरीज पहुंचते रोज अस्पताल

जिला चिकित्सालय में करीब एक हजार से अधिक मरीज इलाज करने के लिए पहुंचते हैं। 15 से 20 ऐसे मरीज होते हैं, जो गंभीर होते हैं। इनके साथ आते अटेंडरों के मुताबिक रोगी के लिए सिर्फ व्हीलचेयर या स्ट्रेचर ही सहारा है। वह भी अटेंडर खुद इसकी तलाश करें। इसके अलावा उनके लिए अन्य कोई संसाधन नहीं है। इस मामले में अनेक बार वरिष्ठ अधिकारियों की शिकायत भी की है, लेकिन उनकी इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया गया है।

नाबालिग का बलात्कार करने वाले आरोपी को 20 साल की कड़ी सजा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) मनोहरलाल पाटीदार की अदालत ने 16 वर्षीय नाबालिग किशोरी को बहला फुसलाकर अपहरण कर ट्रेन में बैठाकर सूरत गुजरात ले जाकर उसके साथ बलात्कार करने वाले आरोपी विजय विश्वकर्मा पुत्र त्रिभुवन विश्वकर्मा उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम सरगीथर तहसील रुदौली जिला अयोध्या को दोषी ठहराते हुए बीस साल के सश्रम कारावास और ग्यारह हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। सरकारी वकील (विशेष लोक अभियोजक) अजय शंकर प्रजापति और श्रीमती ज्योति कुजूर

ने बताया कि 30 मार्च 2024 को 16 वर्षीय नाबालिग किशोरी के परिजनों ने पुलिस थाना कमला नगर भोपाल में अपनी 16 वर्षीय नाबालिग किशोरी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने 8 अप्रैल 2024 को पीड़िता को सूरत गुजरात से आरोपी के पास से दस्तयाब किया था। पुलिस की दस्तयाबी के बाद पीड़िता ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि आरोपी विजय विश्वकर्मा से पहचान होने पर दोनों एक-दूसरे से फोन पर बात करते थे। विजय उसे बहला-फुसलाकर गुजरात के सूरत शहर में ले गया था। आरोपी ने वहां पर ले जाकर उसके साथ बलात्कार किया था।

मुख्यमंत्री ने 539 करोड़ के विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन

सिंहस्थ के लिए उज्जैन को 539 करोड़ की सौगात, वाल्मीकि धाम के पास बनेगा थाना

श्रद्धालुओं के लिए बनेगी सर्वसुविधायुक्त धर्मशाला

प्रभावित दुकानदारों को वैकल्पिक स्थान और बेघर परिवारों को मिलेगा आवास

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

भोपाल। सिंहस्थ-2028 के भव्य और दिव्य आयोजन को लेकर मध्यप्रदेश सरकार ने उज्जैन के विकास कार्यों को गति देना शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर उज्जैन में 539 करोड़ रुपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। इनमें अमृत द्वार और पांच्यजन्य द्वार सहित धार्मिक स्थलों के विकास से जुड़े कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सिंहस्थ को केवल एक धार्मिक आयोजन के रूप में नहीं, बल्कि उज्जैन के दीर्घकालिक विकास के अवसर के रूप में देख रही है। श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ शहर की धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित और संवर्धित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन का हर काल और युग में विशेष महत्व रहा है। यहां आने वाले तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए विकास का क्रम लगातार जारी है। सांदीपनि आश्रम और मंगलनाथ के बाद अब सिद्धवट पर भी निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन किया गया है। इन कार्यों से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। साथ ही, धार्मिक स्थलों के आसपास दुकानदारों और स्थानीय लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी।



प्रभावित दुकानदारों को मिलेगा वैकल्पिक स्थान

डॉ. यादव ने कहा कि शहर के विकास के दौरान दुकानें हटाए जाने से प्रभावित होने वाले लोगों को वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराया जाएगा। यदि किसी का मकान टूटता है, तो उसे शासकीय योजनाओं के अंतर्गत आवास उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। सरकार विकास के साथ सभी वर्गों के हितों का ध्यान रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि किसान कल्याण वर्ष के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में पुरानी जमीन और संपत्तियों की निःशुल्क रजिस्ट्री कराने का निर्णय लिया गया है। स्वामित्व योजना के माध्यम से लोगों को उनकी संपत्ति का पक्का अधिकार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सभी कार्य पारदर्शिता के साथ कर रही है। जनविश्वास अभियान के अंतर्गत प्रत्येक शुक्रवार को अधिकारी फील्ड में उतरकर हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ पहुंचा रहे हैं। सरकार का उद्देश्य विकास के साथ आम नागरिकों का जीवन आसान बनाना है।

वाल्मीकि धाम में बनेगी सर्वसुविधायुक्त धर्मशाला

मुख्यमंत्री ने उज्जैन स्थित वाल्मीकि आश्रम को देशभर के श्रद्धालुओं की आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र बताते हुए इसके विकास पर जोर दिया। उन्होंने वाल्मीकि धाम में सर्वसुविधायुक्त नई धर्मशाला बनाने, रिटिंगिंग वॉल सहित अन्य विकास कार्य पूरे करने की घोषणा की। साथ ही, वाल्मीकि धाम के पास स्थित थाने का नाम बदलकर वाल्मीकि धाम थाना करने की भी घोषणा की। डॉ. यादव ने प्रशासनिक अधिकारियों को उज्जैन के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में होमस्टे विकसित करने की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। पर्यटन निगम और प्रशासन के माध्यम से स्थानीय लोगों को रोजगार से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

इंदौर में अभी से छाने लगा जलसंकट

सूखे पड़े तालाब, हांपते बोरिंग, निजी हैंडपंप-टैंकरों से पानी खरीद रहे लोग

यशवंत सागर में 16.4 फीट पानी, यहीं से होती है शहर की सप्लाई

कहीं 4 साल से पानी की समस्या, कहीं टैंकर भी नहीं पहुंचते

इंदौर, दोपहर मेट्रो

इंदौर से इस वर्ष मानसून रूठा हुआ रहा। इस साल इंदौर जिले की औसतन बारिश का आंकड़ा भी बहुत दूर रहा। इसके चलते अक्टूबर बीतने के साथ ही अभी से जलसंकट की चिंता बढ़ने लगी है। शहर के कई तालाबों का जलस्तर काफी नीचे है। छोटी बिलावली और लिंबोदी तालाब सूख चुके हैं, जबकि पिपल्यापाला और बड़ी बिलावली में भी पानी कम बचा है। झमाझम बारिश के अभाव में शहर के तालाब रीते पड़े हैं।

दूसरी ओर कई इलाकों में बोरिंग से पानी मिलना कम हो गया है। लोगों को निजी बोरिंग से पानी खरीदना पड़ रहा है या टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं। कुछ परिवार पानी खरीदने पर हर महीने 1500 खर्च कर रहे हैं। टैंकर के लिए 2000 तक देने पड़ रहे हैं। कई लोग रिक्शे में बर्तन रखकर 3 से 4 किलोमीटर दूर अरंडिया गांव से पानी ला रहे हैं। इधर, हाई कोर्ट की इंदौर बेंच ने शहर के सूख रहे तालाबों तक नर्मदा का पानी पहुंचाने के प्रस्ताव पर राज्य सरकार से दो सप्ताह में निर्देश लेने को कहा है। नगर निगम भी पानी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए मालवा-गंभीर लाइन, नए टैंकर और बोरिंग की मरम्मत जैसे इंतजाम करने की तैयारी कर रहा है।



तालाबों की स्थिति: कहीं जलस्तर घटा, कहीं पानी खत्म

इंदौर और आसपास के प्रमुख तालाबों में जलस्तर कम होने से चिंता बढ़ गई है। यशवंत सागर, बड़ी बिलावली, छोटी बिलावली, बड़ा सिरपुर, छोटा सिरपुर, पिपल्यापाला और लिंबोदी तालाब की स्थिति अलग-अलग है। कुछ तालाब सूख चुके हैं, जबकि बाकी में पानी कम हो गया है। ये तालाब भूजल स्तर को बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। यशवंत सागर की अधिकतम क्षमता 19 फीट है और फिलहाल इसमें 16.4 फीट पानी है। नगर निगम के जलकार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा बबलू के मुताबिक, यहां से छह पानी की टंकियों के

जरिए शहर में जलापूर्ति होती है। उन्होंने बताया कि मालवा-गंभीर लाइन से पानी लाने की तैयारी की जा रही है। दिसंबर तक यहां पानी पहुंचाने की योजना है, जिससे जलस्तर बढ़ाने में मदद मिल सकेगी। यशवंत सागर से करीब 30 एमएलडी पानी की सप्लाई होती है। उनके अनुसार, इससे 20 हजार से ज्यादा लोगों तक पानी पहुंचता है। उन्होंने कहा कि यशवंत सागर के अलावा बिलावली, लिंबोदी, पिपल्यापाला और सिरपुर तालाब भी महत्वपूर्ण हैं। ये तालाब भूजल स्तर को रिचार्ज करने में मदद करते हैं, लेकिन इस बार इनमें भी अपेक्षाकृत कम पानी है।

टंकी में 35 लाख लीटर पानी, फिर भी घरों तक सप्लाई नहीं

कांग्रेस नेता सुभाष सोलंकी के मुताबिक, क्षेत्र में 2015 से 2018 के बीच पानी की टंकी बनाई गई थी। वर्ष 2020 से इसमें पानी आने लगा। उनका दावा है कि टंकी में करीब 35 लाख लीटर पानी आ रहा है, लेकिन रहवासियों को इसकी सप्लाई नहीं मिल रही। उन्होंने पानी के वितरण की जांच कराने की मांग की है। वार्ड 35 और 36 के अलावा तलावली चांदा, लसुडिया मोरी और बजरंग नगर के कुछ हिस्सों में भी जलसंकट की शिकायतें हैं। वार्ड 16, 20, 28, 30, 37, 45, 51, 63 और 79 के रहवासियों ने भी नियमित जलापूर्ति की मांग की है। वार्ड 35 और 36 के अलावा तलावली चांदा, लसुडिया मोरी और बजरंग नगर के कुछ हिस्सों में भी पानी की समस्या बताई जा रही है। यहां कुछ परिवार हर दूसरे दिन 3 से 4 किलोमीटर दूर अरंडिया गांव जाकर पानी भरते हैं। वार्ड 16, 20, 28, 30, 37, 45, 51, 63 और 79 में भी जलसंकट की शिकायतें सामने आई हैं।

बाग प्रिंट की खुशबू श्रीलंका तक

अंतरराष्ट्रीय मंच पर चमकेगी प्रदेश की हस्तशिल्प कला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश की समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान को और मजबूत करने जा रही है। धार जिले के बाग की विश्वप्रसिद्ध बाग प्रिंट कला की छाप अब श्रीलंका में भी दिखाई देगी। बाग के प्रसिद्ध शिल्पकार मोहम्मद आरिफ खत्री को श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में आयोजित होने वाले 'इंडो-श्रीलंका सीलोन क्राफ्ट वीक 2026' अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प व्यापार मेले में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। 29 अक्टूबर से 1 नवंबर तक आयोजित होने वाले इस मेले में उनकी



भागीदारी मध्यप्रदेश की पारंपरिक छायाई कला को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। बाग प्रिंट अपनी विशिष्ट छायाई शैली, प्राकृतिक रंगों और पीढ़ियों से चली आ रही पारंपरिक तकनीकों के लिए देश-दुनिया में प्रसिद्ध है। इस कला में लकड़ी के नक्काशीदार ठण्ठों के माध्यम से कपड़ों पर आकर्षक आकृतियां और पारंपरिक डिजाइन उकेरे जाते हैं।

मेट्रो एंकर

डेढ़ लाख में से सिर्फ 4 हजार शिक्षकों ने भरे टीईटी के फार्म

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में करीब 40 हजार शिक्षकों की पदोन्नति की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) आयोजित करने जा रहा है, लेकिन परीक्षा के लिए शिक्षकों की कम रूचि विभाग के सामने चुनौती बन गई है। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कार्यरत लगभग डेढ़ लाख शिक्षकों के लिए आयोजित होने वाली इस परीक्षा के लिए अब तक करीब 34 हजार आवेदन ही प्राप्त हुए हैं। इनमें भी सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की संख्या महज चार हजार बताई जा रही है। आवेदन की कम संख्या को देखते हुए विभाग जनवरी में परीक्षा का दूसरा चरण आयोजित करने की तैयारी



कर रहा है।

शिक्षक पात्रता परीक्षा का पहला चरण दिसंबर के दूसरे सप्ताह में आयोजित किया जाएगा। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। पदोन्नति के लिए पात्रता परीक्षा

उत्तीर्ण करना अनिवार्य होने के कारण शिक्षकों को इसमें शामिल होना जरूरी है। हालांकि, आवेदन के आंकड़ों ने विभाग की चिंता बढ़ा दी है। बड़ी संख्या में शिक्षकों के आवेदन नहीं आने से पदोन्नति की प्रक्रिया प्रभावित होने की आशंका है।

40 हजार शिक्षकों की पदोन्नति पर संकट

इंदौर में कल सजेगा शहरी विकास का मंच

आठ जिलों के आर्थिक विकास की रूपरेखा भी होगी जारी

अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 में मुख्यमंत्री करेंगे परियोजनाओं का भूमिपूजन-लोकार्पण,

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के शहरों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने और निवेश के नए अवसर विकसित करने के लिए बुधवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में होने वाले इस आयोजन में शहरी अधोसंरचना, किफायती आवास, जल सुरक्षा, डिजिटल शासन और निवेश की संभावनाओं पर मंथन होगा। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विभिन्न नगरीय विकास परियोजनाओं का भूमिपूजन और लोकार्पण करेंगे। साथ ही आवास और उपचारित अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग से जुड़ी दो महत्वपूर्ण नीतियों के प्रारूप जारी किए जाएंगे।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे ने बताया कि कॉन्क्लेव का उद्देश्य शहरों को सुविधायुक्त बनाने के साथ निवेशकों और विकास साझेदारों की भागीदारी बढ़ाना है। इसके माध्यम से आधुनिक नगर नियोजन, नवाचार और शहरी सेवाओं के विस्तार को प्रोत्साहित किया जाएगा।

किफायती आवास और जल पुनः उपयोग पर नई नीति- कॉन्क्लेव में मध्यप्रदेश किफायती शहरी आवास एवं रहवास नीति-2026 के प्रारूप का विमोचन होगा। इसका उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में किफायती आवासों की उपलब्धता बढ़ाना और



आवास से सौर ऊर्जा तक निवेश के अवसर

कॉन्क्लेव में टॉरटॉइस सिटी, सेंट्रल विस्टा भोपाल, हुकुमचंद मिल पुनर्विकास, एकाई सिटी, उज्जैन की मंदिर क्षेत्र विकास परियोजनाओं, चित्रकूट विकास और तैरती सौर ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश की संभावनाएं प्रदर्शित की जाएंगी। मुख्यमंत्री चयनित निवेशकों और उद्योग प्रतिनिधियों के साथ अलग-अलग बैठकें भी करेंगे। इनमें आवास, शहरी अधोसंरचना, अक्षय ऊर्जा, जल प्रबंधन और विद्युत चालित परिवहन के क्षेत्रों में निवेश पर चर्चा होगी। कार्यक्रम में डिजिटल तकनीक से नगरीय सेवाओं को अधिक पारदर्शी और नागरिकों के लिए सुविधाजनक बनाने पर चर्चा होगी। पुनर्विकास, सघन विकास, सार्वजनिक परिवहन आधारित नगर नियोजन और विकास अधिकारों के हस्तांतरण जैसे विषय भी चर्चा का हिस्सा होंगे। जलवायु के अनुकूल शहरों,

निजी निवेश को प्रोत्साहित करना है। नीति में किराये के आवास, पुनर्विकास और शासकीय भूमि के बेहतर उपयोग पर जोर रहेगा। इसके साथ ही उपचारित अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण एवं पुनः उपयोग की नीति-2026 का प्रारूप भी जारी किया जाएगा।

दिल्ली रैली के लिए पटवारी ले रहे तैयारियों का हिसाब

पूछ रहे- कितनी बसें बुक हुईं, कितने रेल टिकट हुए

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एसआईआर और कथित वोट चोरी के विरोध में 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली 'वोट बचाओ-देश बचाओ जन मार्च' और 'महारैली' के लिए मध्यप्रदेश कांग्रेस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी जिला अध्यक्षों, जिला प्रभारियों और विधानसभा प्रभारियों के साथ समीक्षा बैठकें कर रहे हैं। इन बैठकों में वे जिलेवार दिल्ली जाने वाले लोगों की संख्या के साथ परिवहन और आरक्षण की तैयारियों का हिसाब ले रहे हैं। कांग्रेस ने मध्यप्रदेश से एक लाख लोगों को दिल्ली ले जाने का लक्ष्य



तय किया है। इसके लिए पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

समीक्षा के दौरान पटवारी यह जानकारी ले रहे हैं कि किस जिले से कितनी बसें और चार पहिया वाहन बुक किए जा चुके हैं, रेलवे में कितने

आरक्षण हुए हैं और दिल्ली जाने वाले लोगों की कितनी सूची तैयार हो गई है। पार्टी का जोर लक्ष्य के मुताबिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ यात्रा की व्यवस्था समय पर पूरी करने पर है।

डिप्टी सीएम शुक्ल की अफसरों को दो टूक

स्वास्थ्य से जुड़े निर्माण कार्यों में देरी पर तय होगी जवाबदेही, काम में तेजी लाने दिए सख्त निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और अस्पतालों की व्यवस्थाओं को मजबूत करने में लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्वीकृति मिलने के बाद भी निर्माण कार्यों में देरी हुई तो संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को यह निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन को समय पर सुलभ और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। स्वास्थ्य संस्थानों के निर्माण, चिकित्सकीय कर्मचारियों की उपलब्धता और अस्पतालों के बेहतर संचालन पर विशेष ध्यान दिया जाए।



71 स्वास्थ्य संस्थानों के काम में आएगी तेजी

बैठक में बताया गया कि मंत्रिमंडल से अनुमोदित 71 स्वास्थ्य संस्थानों में से 29 नए संस्थानों के प्रशासनिक अनुमोदन जारी हो चुके हैं। इनके निर्माण के लिए निविदा प्रक्रिया शीघ्र पूरी कर काम शुरू करने की तैयारी है। शेष 42 संस्थानों का उन्नयन किया जाना है। इनमें 22 संस्थानों का काम परियोजना क्रियान्वयन इकाई और 20 संस्थानों का काम मध्यप्रदेश भवन विकास निगम करेगा। उप मुख्यमंत्री ने सभी निर्माण एजेंसियों को आवश्यक प्रक्रियाएं समय पर पूरी करने और कार्यों की नियमित निगरानी के निर्देश दिए।

जनवरी में दोबारा मिलेगा मौका

पहले चरण में कम आवेदन मिलने के बाद लोक शिक्षण संचालनालय ने परीक्षा का दूसरा चरण जनवरी में कराने की योजना बनाई है। लोक शिक्षण संचालनालय के आयुक्त अभिषेक सिंह के अनुसार, दिसंबर के दूसरे सप्ताह में पहली परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसके तुरंत बाद जनवरी में दूसरा चरण कराने की तैयारी है। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक शिक्षकों को पात्रता हासिल करने का अवसर देना है, ताकि पदोन्नति की प्रक्रिया में योग्य शिक्षकों को शामिल किया जा सके।

दोनों परीक्षाओं के बाद बनेगी पदोन्नति सूची। विभाग ने पदोन्नति के लिए पात्र शिक्षकों की जानकारी जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दोनों चरणों की परीक्षाएं पूरी होने के बाद पात्रता प्राप्त करने वाले शिक्षकों की सूची तैयार की जाएगी। विभाग की योजना शैक्षणिक सत्र के अंत तक पदोन्नति प्रक्रिया पूरी करने की है। इससे स्कूलों में लंबे समय से रिक्त पदों और प्रशासनिक जिम्मेदारियों के बेहतर प्रबंधन में मदद मिलने की उम्मीद है। हालांकि, वास्तविक पदोन्नति परीक्षा परिणाम और निर्धारित नियमों के अनुसार ही होगी।

चीनी की मिठास से उद्योग की तिजोरियां भरती हैं, लेकिन गन्ना उगाने वाले किसान के हिस्से में अब भी आर्थिक कड़वाहट है। उचित मूल्य, बढ़ती लागत और बकाया भुगतान के संकट से जुझ रहे किसानों के लिए मार्च 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव फिर उम्मीदें जगाएंगे। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब सहित कई राज्यों में गन्ना किसानों का मुद्दा राजनीतिक बहस के केंद्र में होगा। लेकिन सवाल यह है कि चुनावी वादों से आगे बढ़कर उनकी जिंदगी में वास्तविक बदलाव कब आएगा? भारत विश्व का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक और उपभोक्ता तथा

दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है।

इस उद्योग से करीब पांच

करोड़ किसान और 50 लाख मजदूर जुड़े हैं। इसके बावजूद गन्ना उत्पादकों को अपनी उपज का लाभकारी मूल्य पाने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। किसान संगठन 500 रुपये प्रति क्विंटल की दर मांग रहे हैं। डीजल, खाद, बिजली और मजदूरी की बढ़ती कीमतों के बीच यह मांग खेती को घाटे से बचाने की जरूरत भी दर्शाती है। गन्ने का उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) केंद्र सरकार तय करती है, जबकि राज्य सरकारें राज्य परामर्शित मूल्य (एसएपी)

मिठास और कड़वाहट

घोषित करती हैं। उत्तर प्रदेश जैसे

राज्यों में एसएपी किसानों की आय के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर विचार के लिए गठित समिति में किसान प्रतिनिधि नहीं होने की शिकायत गंभीर सवाल उठाती है। किसानों की आजीविका से जुड़ी नीति बनाने समय उनकी आवाज को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मिलों की आर्थिक व्यवहार्यता जरूरी है, लेकिन उसका बोझ किसानों पर डालना उचित नहीं। भुगतान में देर इस संकट का सबसे गंभीर पहलू है।

लिहाज से महत्वपूर्ण है। ऐसे में गन्ना किसानों की मांगों और चीनी के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर विचार के लिए गठित समिति में किसान प्रतिनिधि नहीं होने की शिकायत गंभीर सवाल उठाती है। किसानों की आजीविका से जुड़ी नीति बनाने समय उनकी आवाज को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मिलों की आर्थिक व्यवहार्यता जरूरी है, लेकिन उसका बोझ किसानों पर डालना उचित नहीं। भुगतान में देर इस संकट का सबसे गंभीर पहलू है।

नियमानुसार गन्ना खरीद के 14 दिनों के भीतर भुगतान और देरी पर 15 प्रतिशत सालाना ब्याज का प्रावधान है। फिर भी किसानों को अपनी उपज की कीमत के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है। स्पष्ट है कि समस्या नियमों की कमी से अधिक उनके पालन की है। कृषि संकट का समाधान समितियों और घोषणाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सरकारों को लागत के अनुरूप लाभकारी मूल्य, समयबद्ध भुगतान और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। किसान को उसकी मेहनत का प्रतिफल देना सरकार की उदारता नहीं, जिम्मेदारी है।

यूरोपीय देशों में हो रहे हिंसक आंदोलन और डेमोग्राफी बदलने की कोशिश

मनोज कुमार अग्रवाल

स्तंभकार



इन दिनों फ्रांस में चल रहा आंदोलन हालांकि मूल रूप से महंगाई और खराब सार्वजनिक सेवाओं के खिलाफ उपजा जन-आक्रोश से शुरू हुआ, जिसे या वामपंथी तत्वों, सोशल मीडिया के जरिए दुष्प्रचार फैलाने वाली विदेशी ताकतों और आगामी चुनावों को देखते हुए राजनीतिक दलों ने अपने-अपने एजेंडे के लिए भुनाना शुरू कर दिया है।यह भी सामने आया है कि इन देशों में आसान आब्रजन नियमों का फायदा उठा घुस आए प्रवासी अराजकता का नंगा नाच कर रहे हैं।

फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों इटली, स्पेन, बेल्जियम और अल्बानिया में भड़की व्यापक हिंसा और विरोध प्रदर्शनों के पीछे यद्यपि किसी एक निश्चित वैश्विक साजिश के पुख्ता सबूत नहीं मिले हैं, लेकिन इसमें सामाजिक-आर्थिक कारण, स्थानीय जनक्रोश का कई राजनीतिक व बाहरी तत्वों द्वारा इस स्थिति का फायदा उठाना शामिल है। खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, यद्यपि यह दंगे किसी विदेशी ताकत ने

शुरू नहीं करवाए हैं, लेकिन रूस समर्थित ऑनलाइन नेटवर्क और एआई टूल्स सोशल मीडिया जैसे टिकटॉक और अन्य प्लेटफॉर्म पर हिंसा और आगजनी के वीडियो को तेजी से वायरल कर रहे हैं। इसे एक तरह का हाइब्रिड वॉरफेयर कहा जा रहा है, जिसका मकसद यूरोपीय देशों में सामाजिक अस्थिरता और सरकारों के खिलाफ असंतोष को और ज्यादा भड़काना है। दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इटली व फ्रांस के दक्षिणपंथी नेताओं मरीन लेपेन और जॉर्जिया मेलोनी ने सीधे तौर पर इस हिंसा के लिए यूरोप की उदारवादी अप्रवासी नीतियों और खुली सीमाओं को जिम्मेदार ठहराया है। उनका दावा है कि बाहरी देशों से आए शरणार्थी और प्रवासी इन दंगों और लूटपाट में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं, हालांकि स्थानीय प्रशासन का कहना है कि यह संकेत मुख्य रूप से आंतरिक आर्थिक नीतियों की विफलता का नतीजा है।

आपको बता दें कि 1789 की फ्रांसीसी क्रांति तथा 1830 और 1848 की क्रांतियों के बाद यूरोप के घटनाक्रम को करीब से देखने वाले ऑस्ट्रिया के चांसलर फ्रेड्रिक मेटरनिक का 19वीं शताब्दी का चर्चित बयान है कि जब फ्रांस को जुकाम होता है, तो पूरा यूरोप छींकने लगता है। जब फ्रांस में कोई क्रांति या गतिविधि शुरू होती है तो पूरे यूरोप में शुरू हो जाती है। ऐसा ही इस बार हुआ। फ्रांस में छात्रों का आंदोलन शुरू होते ही यूरोप के अन्य 6 देशों में छात्रों के आंदोलन शुरू हो गए हालांकि इनके कारण अलग-अलग हैं तथा हिंसक विरोध-प्रदर्शन स्पेन, इटली, सर्बिया और अल्बानिया में नहीं हुए। फ्रांस में छात्रों के विरोध-प्रदर्शनों से काफी नुकसान हुआ-लोगों को चोटें आईं, इमारतें जलाई गईं, दुकानों में लूटपाट हुई और कई छात्रों को गिरफ्तार कर लिया गया। छात्रों का यह विरोध मुख्य रूप से देश में शिक्षकों की कमी और स्कूलों की जरूरत इमारतों को लेकर था, लेकिन फ्रांस की मैक्रों सरकार ने इन शिकायतों पर लगभग कोई ध्यान नहीं दिया। उल्लेखनीय है कि आज से 6-7 महीने पहले जब छात्रों ने अपना आंदोलन शुरू किया था तब भी मुद्दे वही थे। अगले वर्ष फ्रांस में चुनाव आने वाले हैं और मैक्रों को लग रहा कि वे वे इस बार भी चुनाव जीत जाएंगे इसलिए उन्होंने इस मुद्दे पर चुप रहना ही बेहतर समझा।यूरोप दोबारा सरकार का ध्यान खींचने के लिए प्रदर्शन शुरू होने पर हालात ऐसे बने कि छात्रों के आंदोलन में विभिन्न गैंगों ने घुसपैठ कर ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस मुद्दे पर चिंता व्यक्त किए जाने के बाद

तब कहीं जाकर फ्रांस सरकार ने छात्रों की समस्याओं को सुनना शुरू किया।लेकिन, यह सब होने के बाद मैक्रों ने एक भाषण दिया और उसके तुरंत बाद सऊदी अरब चले गए। छात्रों को लगा कि मैक्रों तो हमारी मांगों को लेकर गंभीर ही नहीं हैं तथा बिना कोई समाधान निकाले ही विदेश यात्रा पर चले गए हैं।इसलिए एक बार फिर 24 अक्टूबर को छात्रों ने पैरिस सहित कई शहरों में प्रदर्शन किए, मगर वे काफी हद तक शांतिपूर्ण थे। हालांकि पुलिस ने आंसू गैस का इस्तेमाल किया और 1300 बच्चों को गिरफ्तार भी किया। उल्लेखनीय है कि पिछले इलैक्शन के समय भी मैक्रों लोगों को उतने पसंद नहीं थे। हालांकि फ्रांस की राइट विंग विपक्षी नेता ला पेन भी फ्रांस के लोगों को कोई खास पसंद नहीं है परंतु यदि मैक्रों ने छात्रों की बात न सुनी तो लोग ला पेन की ओर चले जाएंगे। यूरोप के अन्य देशों में भी छात्र प्रदर्शन हुए हैं और इटली में तो छात्रों ने लूटपाट करने आए गैंगों को पीट कर भगा दिया और पुलिस को बचाया। हालांकि अन्य स्थानों पर ऐसे उग्र प्रदर्शन नहीं हुए परंतु कहीं अर्थव्यवस्था खस्ता है, कहीं रोजगार नहीं है और कहीं बच्चों की पढ़ाई की व्यवस्था न होने के कारण सारे यूरोप के लोग अपने देशों की सरकारों से नाराज हैं और

वहां छात्र आंदोलन कर रहे हैं। इस तरह के घटनाक्रम के बीच प्रश्न उत्पन्न होता है कि क्या लोगों को लोकतांत्रिक देशों में अपनी सरकारों को अपनी शिकायतें नहीं बतानी चाहिए? क्या शांतिपूर्वक आंदोलन करने वाले छात्रों या दूसरे लोगों का यह अधिकार नहीं कि उनकी सरकारें उनकी बातें सुनकर उन्हें बेहतर सुविधाएं प्रदान करें। आखिर इन सभी देशों में लोकतंत्र और निर्वाचित सरकारें हैं।

जैसे ही यूरोप में प्रोटेस्ट शुरू हुए, इंग्लैंड, जहां दिखाने मात्र की राजशाही है, की संसद में भी इन बातों पर चर्चा शुरू हो गई तथा इंग्लैंड के शिक्षा मंत्री ने कहना शुरू कर दिया कि इंग्लैंड में बच्चों को अंग्रेजी, गणित तथा साइंस भी ठीक से नहीं पढ़ाई जा रही। इसके साथ ही उन्होंने कहना शुरू कर दिया कि लैट नो चाइल्ड शुड भी लैफ्ट बिहाइंड अर्थात कोई भी बच्चा पीछे नहीं छूटना चाहिए, इसके लिए हमें अपनी शिक्षा प्रणाली को उन्नत करना है और यह काम तुरंत करना है।

आपको बता दें कि फ्रांस सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, शांतिपूर्ण प्रदर्शनों को हिंसक दंगों में बदलने के पीछे सुदूर-वामपंथी संगठनों और अराजकतावादियों का हाथ है।

फ्रांस के प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने आरोप लगाया है कि अल्ट्रा-लेफ्ट समूह और आपराधिक गिरोह ब्लैक ब्लॉक रणनीति का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसमें उपद्रवी काले कपड़े पहनकर और चेहरे ढक्कर आते हैं, पुलिस पर हमला करते हैं और सरकारी इमारतों व बड़ी दुकानों में लूटपाट करते हैं।

अमेरिकी न्यूज आउटलेट फॉक्स न्यूज और कुछ खुफिया रिपोर्ट्स का दावा है कि फ्रांस में हिंसक प्रदर्शनों को हवा देने के लिए लगभग 54 अंतरराष्ट्रीय संगठनों का एक नेटवर्क काम कर रहा है। इसमें कम्युनिस्ट, समाजवादी, मजदूर संघ और कुछ मुस्लिम छात्र व फलस्तीन समर्थक संगठन शामिल हैं। प्रदर्शनों के दौरान गाजा और फलस्तीन के झंडे भी देखे गए हैं, जिसके कारण दक्षिणपंथी नेता इसे एक बड़े वैचारिक एजेंडे से जोड़कर देख रहे हैं।इन तमाम तथ्यों के मद्देनजर सभी देशों को अपने स्थानीय जनक्रोश को समझ कर समय रहते समुचित कारवाई व व्यवस्था सुधार सुनिश्चित करना चाहिए और घुसपैठियों व जनसंख्या असंतुलन से डेमोग्राफी चेज करने की कोशिशो पर भी ध्यान देना चाहिए ताकि कोई खास समुदाय अराजकता फैलाने में कामयाब न हो सके।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

अनुवांशिक भी हो सकती है किडनी की बीमारी... सतर्क रहना जरूरी

हेल्थ अपडेट

किडनी शरीर के महत्वपूर्ण अंगों में शामिल हैं, जो खून से अपशिष्ट पदार्थों और अतिरिक्त तरल को छानकर बाहर निकालने में मदद करती हैं। किडनी की कार्यक्षमता प्रभावित होने पर इसका असर धीरे-धीरे पूरे शरीर पर पड़ सकता है। आमतौर पर लोग मानते हैं कि किडनी की बीमारी बढ़ती उम्र, खराब खानपान या मधुमेह के कारण होती है, लेकिन कुछ मामलों में आनुवंशिक कारण भी जिम्मेदार हो सकते हैं। यदि माता-पिता, भाई-बहन या अन्य करीबी रिश्तेदारों को किडनी की बीमारी रही है, तो अपनी किडनी की सेहत को लेकर सतर्क रहना जरूरी है।



निशाना

जमाने का चलन है



मनोज साहू 'निडर'

इस जमाने का चलन है आज भी। वेदनाएँ बद-चलन हैं आज भी। कितनी गंगाएँ सिसकती बह रही, पोखरों का आचमन है आज भी। जो लुटेरें हैं उन्हीं के सामने, हाथ जोड़े अंजुमन है आज भी। ओढ़ कर खामोशियाँ सब सो गए, हूकती दिल में घुटन है आज भी। आँधियों से लड़ रही है इक शमा, हैसलों में बाँकपन है आज भी।

टेकनो अपडेट

चीनी स्मार्टफोन कंपनियों की पकड़ कमजोर भारतीय ब्रैंड्स को मिला बड़ा मौका

भारतीय स्मार्टफोन बाजार में लंबे समय से मजबूत पकड़ रखने वाली चीनी कंपनियों के सामने अब कई चुनौती खड़ी हो रही है। जुलाई-सितंबर तिमाही में चीनी ब्रैंड्स की बाजार हिस्सेदारी घटकर 67 से 68 प्रतिशत रह गई। उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार, यह पिछले आठ वर्षों का सबसे निचला स्तर है। दूसरी ओर, भारतीय ब्रैंड्स की हिस्सेदारी बढ़कर सात प्रतिशत तक पहुंच गई है। मेमोरी चिप्स की बढ़ती कीमतें, सस्ते फोन बनाने की मुश्किलें और ग्राहकों की बदलती खरीदारी की आदतें इस बदलाव के प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं।

स्मार्टफोन बनाने में इस्तेमाल होने वाली मेमोरी चिप्स की कीमतों में बढ़ोतरी से कंपनियों की उत्पादन लागत बढ़ रही है। खासकर कम कीमत वाले फोन बनाने वाली कंपनियों के लिए यह चुनौती बड़ी है, क्योंकि इस श्रेणी में मुनाफे की गुंजाइश पहले ही सीमित रहती है। लागत बढ़ने के बाद कंपनियों के सामने फोन महंगे करने या अपने मुनाफे में कटौती करने का विकल्प रह जाता है।

रिपोर्टों के मुताबिक, कुछ चीनी कंपनियां सस्ते मॉडलों की संख्या घटा रही हैं और कुछ फोन के तकनीकी

गुणों में कटौती कर रही हैं। पुराने चिप्स के इस्तेमाल की संभावना भी चर्चा में है। ऐसे में कंपनियां मध्यम और प्रीमियम श्रेणी के फोन पर ज्यादा ध्यान दे रही हैं, जहां मुनाफा बेहतर हो सकता है। हालांकि, इससे कम बजट वाले ग्राहकों के लिए विकल्प सीमित होने की आशंका है।

चीनी कंपनियों की कमजोर होती पकड़ का फायदा घरेलू ब्रैंड्स को मिला दिखाई दे रहा है। काउंटरपॉइंट के बताए गए आंकड़ों के अनुसार, एक साल पहले भारतीय ब्रैंड्स की बाजार हिस्सेदारी लगभग दो प्रतिशत थी, जो जुलाई-सितंबर तिमाही में बढ़कर सात प्रतिशत हो गई। यह 2018 के बाद घरेलू कंपनियों की सबसे मजबूत स्थिति बताई जा रही है। **बढ़त बनाए रखना आसान नहीं:** भारतीय कंपनियों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि वे इस मौके को स्थायी सफलता में कैसे बदलेंगे। केवल चीनी कंपनियों की कमजोरी स्थिति से मिली बढ़त लंबे समय तक कायम नहीं रह सकती। इसके लिए घरेलू ब्रैंड्स को मजबूत वितरण व्यवस्था, भरोसेमंद बिक्री-परचात सेवा और बेहतर तकनीकी विकास पर निवेश करना होगा।



को प्रभावित कर सकते हैं। इन बीमारियों में जिन के विशेष बदलाव किडनी की संरचना या उसके काम करने के तरीके पर असर डाल सकते हैं। कुछ स्थितियों में बीमारी माता-पिता से बच्चों में पहुंच सकती है।

अमेरिकन किडनी फंड के अनुसार, जिन लोगों के माता-पिता, भाई-बहन या दादा-दादी को मधुमेह, उच्च रक्तचाप अथवा किडनी की बीमारी रही है, उन्हें अपने जोखिम के बारे में डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। यदि परिवार में कई लोगों को कम उम्र में किडनी की बीमारी हुई हो या डायलिसिस की जरूरत पड़ी हो, तो इसकी जानकारी डॉक्टर को जरूर दें।

पॉलिसिस्टिक किडनी डिजीज (पीकेडी), एलपोर्ट सिंड्रोम और

फैब्री डिजीज ऐसी स्थितियां हैं, जिनमें आनुवंशिक कारण किडनी

मिट्टी, चिड़ियों की बीट और अनोखे रंगों से गहने बना रहे ग्वालियर के कलाकार

मिट्टी से बने गहने आमतौर पर साधारण दिखाई देते हैं, लेकिन मध्य प्रदेश के ग्वालियर निवासी हरीश धवन ने इसी मिट्टी को ऐसा रूप दिया है कि उनकी ज्वेलरी कांच, मोतियों और कीमती पथरों से बनी नजर आती है। उनकी कला की खासियत केवल मिट्टी से गहने बनाना नहीं, बल्कि प्राकृतिक चीजों से रंग तैयार करना भी है। पालक, धनिया और घास जैसी वनस्पतियों के साथ वे चिड़ियों की बीट से भी रंग निकालने का प्रयोग करते हैं। उनके काम में रंग तैयार करने की एक और असामान्य विधि का फ़िल है, जिसमें स्पर्म का इस्तेमाल किए जाने का दावा किया गया है। हालांकि, इस प्रक्रिया और उससे तैयार रंगों के बारे में स्वतंत्र तकनीकी जानकारी उपलब्ध नहीं है।

हरीश की कला का सबसे दिलचस्प पहलू रंगों का चुनाव है। वे पालक, धनिया और घास जैसी प्राकृतिक सामग्रियों से रंग तैयार करते हैं। चिड़ियों की बीट से रंग निकालने का उनका प्रयोग भी लोगों का ध्यान खींचता है। इस तरह की सामग्री का इस्तेमाल रंग बनाने में कैसे

जिसमें किडनी के अंदर तरल पदार्थ से भरी कई छोटी-बड़ी गाँठें यानी सिस्ट विकसित हो जाती हैं। समय के साथ ये सिस्ट किडनी के आकार और उसकी कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकते हैं। कुछ मरीजों में उच्च रक्तचाप, कमर या पेट के किनारे दर्द और पेशाब में खून आने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। हालांकि, शुरुआती चरण में कई लोगों को स्पष्ट लक्षण महसूस नहीं होते। परिवार में किडनी की बीमारी का इतिहास होने पर घबरावने के बजाय डॉक्टर से अपने जोखिम पर चर्चा करें। जरूरत के अनुसार रक्त में क्रिएटिनिन की जांच, ईजीएफआर से किडनी की कार्यक्षमता का आकलन और पेशाब में एल्ब्यूमिन की जांच कराई जा सकती है। कुछ मामलों में अल्ट्रासाउंड या आनुवंशिक जांच की जरूरत भी पड़ सकती है।

मिट्टी, चिड़ियों की बीट और अनोखे रंगों से गहने बना रहे ग्वालियर के कलाकार

किया जाता है, यह उनकी कला को सामान्य आभूषण निर्माण से अलग बनाता है। प्राकृतिक रंगों और अलग-अलग आकारों के मेल से तैयार गहने देखने में बेहद आकर्षक लगते हैं। अलग-अलग रंगों की साड़ियों और परिधानों के साथ पहने जा सकने वाले आभूषण तैयार करना भी उनकी कला का एक प्रमुख उद्देश्य है। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए वे कई रंगों और डिजाइनों में गहने बनाते हैं। **सात सौ से सात हजार रुपये तक कीमत:** हरीश के अनुसार, उनकी ज्वेलरी की कीमत 700 रुपये से लेकर 7,000 रुपये तक है। कीमत गहने की बनावट, उसमें इस्तेमाल सामग्री और उसे तैयार करने में लगने वाली मेहनत पर निर्भर करती है। उनके आभूषण उन महिलाओं के बीच पसंद किए जाते हैं, जो अलग-अलग परिधानों के साथ नए डिजाइन के गहने पहनना चाहती हैं। इन दिनों हरीश दिल्ली के त्रिवेणी कला संग्राम में अपनी अनोखी ज्वेलरी प्रदर्शित करने पहुंचे हैं। वहां आने वाले लोग उनके गहनों की बनावट और रंगों को देखकर आकर्षित हो रहे हैं।



कश्मीर के लोगों ने कभी भारतीय होने से इनकार नहीं किया और उनका भारत से जुड़ाव महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू तथा मौलाना आजाद के भारत से रहा है। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि सत्ता के लिए हिंदू-मुसलमान को आमने-सामने किया गया। सांप्रदायिक सद्भाव

बनाए रखना देश के प्रत्येक राजनीतिक दल की जिम्मेदारी है। लेकिन किसी भी नेता को धार्मिक आधार पर राजनीति के आरोप लगाने से पहले अपने राजनीतिक कार्यकाल और अपनी पार्टी की भूमिका पर भी आत्ममंथन करना चाहिए। कश्मीर की पहचान किसी एक धर्म, दल या नेता तक सीमित नहीं है। इसमें कश्मीरी पंडितों का विस्थापन, आतंकवाद से प्रभावित परिवारों की पीड़ा, सीमावादी नागरिकों की कठिनाइयां और सभी समुदायों की आकांक्षाएं शामिल हैं।

फारूक अब्दुल्ला के बयानों की आलोचना करते समय उनके राजनीतिक विचारों और उनके समुदाय के प्रति भावनाओं को एक ही नजरिये से देखना भी उचित नहीं होगा। किसी नेता की मंशा पर व्यक्तिगत टिप्पणी करने के बजाय उसके सार्वजनिक बयानों, नीतियों और उनके प्रभावों का तथ्यात्मक विश्लेषण होना चाहिए। लोकतंत्र में असहमति का अधिकार सभी को है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील विषयों पर जिम्मेदार भाषा का प्रयोग भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

भारत की एकता, संप्रभुता और जम्मू-कश्मीर के नागरिकों के अधिकार एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। कश्मीर का भविष्य किसी दूसरे देश की बयानबाजी से नहीं, बल्कि शांति, विकास, लोकतांत्रिक भागीदारी और जनता के विश्वास से मजबूत होगा। राजनीतिक नेतृत्व को ऐसी भाषा अपनानी चाहिए जो समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करे, न कि विवादों को और गहरा बनाए। कश्मीर को पाकिस्तान की पैरवी के सहारे देखने के बजाय भारतीय लोकतंत्र की मजबूती, नागरिकों के सम्मान और विकास के आधार पर आगे बढ़ाना ही स्थायी शांति का रास्ता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

2041 की तीन लाख आबादी के हिसाब से तैयार प्रारूप पर उठे सवाल, देलमी में बस स्टैंड बनाने के प्रस्ताव का भी विरोध

धारा। दोपहर मेट्रो

शहर के आगामी 15 वर्षों के विकास की दिशा तय करने वाले मास्टर प्लान के प्रारूप पर करीब 300 दावे-आपत्तियां प्राप्त हुई हैं। वर्ष 2041 तक तीन लाख की आबादी के अनुमान पर तैयार योजना में सबसे बड़ा विवाद कंजर्वेशन क्षेत्र में शामिल जमीन को लेकर है। करीब 200 आवेदनों में संरक्षित क्षेत्र से जमीन मुक्त कर आवासीय या मिश्रित उपयोग में शामिल करने की मांग की गई है।

नए मास्टर प्लान में 820 हेक्टेयर जमीन कंजर्वेशन के लिए प्रस्तावित है, जो विकास क्षेत्र का 27.33 प्रतिशत है। वहीं, 322.83



हेक्टेयर क्षेत्र मिश्रित उपयोग के लिए निर्धारित किया गया है। पुराने प्लान की शेष भूमि जोड़कर आवासीय क्षेत्र का प्रस्तावित रकबा 1,569.78 हेक्टेयर किया गया है। विधायक नीना विक्रम वर्मा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मुजीब कुरैशी सहित विभिन्न संगठनों ने भी आपत्तियां दर्ज कराई हैं। देलमी में

मास्टर प्लान पर 300 आपत्तियां, 820 हेक्टेयर जमीन को कंजर्वेशन से मुक्त करने की मांग

नया बस स्टैंड बनाने के प्रस्ताव पर भी विरोध जताया गया है। आपत्तियों पर 29 अक्टूबर को सुनवाई प्रस्तावित है। टीएनसीपी के संयुक्त संचालक सुनील जॉन मिंज के अनुसार, सुनवाई के बाद सुझाव वरिष्ठ कार्यालय को भेजे जाएंगे। अंतिम प्रारूप जारी होने की प्रक्रिया में छह से सात महीने लग सकते हैं।

820 हेक्टेयर जमीन पर कंजर्वेशन का पेच

मास्टर प्लान के प्रस्तावित विकास क्षेत्र की 820 हेक्टेयर जमीन कंजर्वेशन के दायरे में है। यह कुल क्षेत्रफल का 27.33 प्रतिशत है। जमीन मालिकों का कहना है कि

पांच किलोमीटर दूर बस स्टैंड बनाने पर सवाल

मास्टर प्लान में ग्राम देलमी में नया बस स्टैंड प्रस्तावित किया गया है। यह वर्तमान बस स्टैंड से करीब पांच किलोमीटर और रेलवे स्टेशन से लगभग 12 किलोमीटर दूर है। आपत्तिकर्ताओं के अनुसार, प्रस्तावित स्थल जिला अस्पताल और निर्माणाधीन मेट्रिकल कॉलेज से भी दूर है। उनका कहना है कि वर्तमान बस स्टैंड का 50 प्रतिशत से अधिक निर्माण हो चुका है, इसलिए इसी स्थान को विकसित किया जाना चाहिए। बस स्टैंड व्यापारी संघ और बस ऑपरेटर संघ ने भी विरोध में ज्ञापन दिया है। दोनों संगठनों ने भविष्य में अतिरिक्त बस स्टैंड की जरूरत पड़ने पर रेलवे स्टेशन और इंदौर-अहमदाबाद हाईवे के आसपास स्थान तलाशने का सुझाव दिया है।

संरक्षित क्षेत्र में शामिल होने से जमीन का आवासीय और व्यावसायिक उपयोग सीमित हो रहा है। इसी कारण करीब 200 आवेदनों में कंजर्वेशन का दायरा घटाने और जमीन का उपयोग बदलने की मांग की गई है। नए

प्रारूप में 322.83 हेक्टेयर क्षेत्र मिश्रित उपयोग के लिए प्रस्तावित है। इसमें आवासीय और व्यावसायिक गतिविधियां साथ संचालित हो सकेंगी। कंजर्वेशन भूमि से जुड़े मामलों का निराकरण शासन स्तर पर होना है।

नोएडा में कार की टक्कर से दमोह के राजू अहिरवार गंभीर घायल

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

गांव में रोजगार नहीं मिलने से परिवार पालने नोएडा गए 50 वर्षीय राजू अहिरवार हादसे का शिकार हो गए। तेजगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम माडनखेड़ा निवासी राजू तीन महीने से वहां मजदूरी कर रहे थे। तीन दिन पहले काम से लौटते समय तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। कार चालक उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराकर फरार हो गया।

नोएडा में इलाज का खर्च उठाने में असमर्थ परिजन रविवार देर रात 25 हजार रुपए में एंबुलेंस किराए पर लेकर उन्हें दमोह जिला अस्पताल लाए। डॉक्टरों के अनुसार, राजू के सिर में गंभीर चोट है और वे वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं।



हालत नाजुक होने और न्यूरो सर्जन उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें जबलपुर रेफर किया गया है। चार बेडियों के पिता राजू दीपावली पर परिवार के लिए पैसे और कपड़े लाने की उम्मीद से परदेस गए थे। अब परिजनों ने प्रशासन से बेहतर इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लगाई है। परिवार ने फरार कार चालक के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की है।

न्यूज विंडो

जयकारों से गूंजा औबेदुल्लागंज, महर्षि वाल्मीकि की शोभायात्रा पर बरसे फूल



औबेदुल्लागंज। महर्षि वाल्मीकि जयंती पर नगर में श्रद्धा और उत्साह के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यात्रा का शुभारंभ स्थानीय वाल्मीकि मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ। सजे-धजे रथों और ढोल-नगाड़ों के बीच निकली शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। इस दौरान श्रद्धालु महर्षि वाल्मीकि के जयकारे लगाते रहे। नगरवासियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर और आरती उतारकर यात्रा का स्वागत किया। प्रमुख मार्गों का भ्रमण करने के बाद शोभायात्रा पुनः वाल्मीकि मंदिर पहुंची, जहां विशेष आरती की गई। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर आयोजित विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने महर्षि वाल्मीकि के जीवन और आदर्शों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रामायण की रचना कर महर्षि वाल्मीकि ने समाज को सत्य, मर्यादा और समरसता का संदेश दिया। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। उनके बताए मार्ग पर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि है।

देवी जी के चल समारोह में घुसा सियार युवक को काटा, मची अफरा-तफरी



तेंदूखेड़ा। शरद पूर्णिमा के अवसर पर सोमवार को ग्राम पंचायत बगदरी के आश्रित ग्राम राजा गुबरा में देवी जी के चल समारोह के दौरान उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब अचानक जंगल की ओर से आया सियार भीड़ में घुस गया। सियार ने गांव के युवक

मुकेश गोंड (33), पिता परमलाल, के दाएं पैर में काट लिया और जंगल की ओर भाग गया। घटना के समय चल समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल थे। अचानक हुए हमले से लोगों में हड़कंप मच गया। परिजन घायल मुकेश को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा लेकर पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे रेबीज वैक्सीन और टीटी का इंजेक्शन लगाया। डॉक्टरों के अनुसार, युवक की हालत फिलहाल खतरों से बाहर है। घटना के बाद ग्रामीणों में जंगली जानवरों को लेकर चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में पहले भी सियार के काटने और हमले की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। उन्होंने वन विभाग से मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

मेट्रो एंकर

सर्व स्वर्णकार समाज ने आराध्य देव की पूजा-अर्चना कर लिया आदर्शों पर चलने का संकल्प

भक्ति के साथ मना महाराजा अजमीढ़ देव का जन्मोत्सव, सुंदरकांड पाठ में गूंजे भजन

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में सर्व स्वर्णकार समाज के आराध्य एवं आदि पुरुष महाराजा श्री अजमीढ़ देव का जन्मोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर समाजजनों ने एकत्रित होकर पूजा-अर्चना की और उनके आदर्शों का स्मरण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ कक्कू सोनी (विजोरा वाले) ने महाराजा अजमीढ़ देव के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद समाज के पदाधिकारियों और सदस्यों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

आयोजन में भक्तिमय वातावरण के बीच सुंदरकांड पाठ किया गया। श्रद्धालुओं ने समाज की सुख-समृद्धि और खुशहाली की



कामना की। वरिष्ठ पत्रकार मुन्ना लाल सोनी (जबेरा) ने महाराजा अजमीढ़ देव के जीवन और समाज के प्रति उनके योगदान पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि महाराजा अजमीढ़ देव के जीवन से

एकजुटता, परिश्रम, ईमानदारी और सामाजिक सद्भाव की प्रेरणा मिलती है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं और महापुरुषों के आदर्शों से जोड़ते हैं। सुंदरकांड पाठ के समापन पर आरती की गई और

श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। समाजजनों ने एक-दूसरे को जन्मोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। महाराजा अजमीढ़ देव के जन्मोत्सव कार्यक्रम की शुरुआत कक्कू सोनी (विजोरा वाले) ने उनके चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की। इसके बाद समाज के पदाधिकारियों और सदस्यों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की। सुंदरकांड पाठ में श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से सहभागिता की और समाज की सुख-समृद्धि, खुशहाली तथा आपसी भाईचारे की कामना की। पूरे आयोजन में धार्मिक उत्साह बना रहा। कार्यक्रम के समापन पर आरती की गई और उपस्थित

समाजजनों एवं श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। वरिष्ठ पत्रकार मुन्ना लाल सोनी (जबेरा) ने महाराजा अजमीढ़ देव के जीवन और समाज के प्रति उनके योगदान की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वर्णकार समाज में महाराजा अजमीढ़ देव को आराध्य और आदि पुरुष के रूप में श्रद्धापूर्वक स्मरण किया जाता है। वक्ताओं ने कहा कि उनके आदर्श समाज को एकजुटता, परिश्रम, ईमानदारी और सामाजिक सद्भाव की प्रेरणा देते हैं। ऐसे धार्मिक और सामाजिक आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, परंपराओं और महापुरुषों के जीवन से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

नगर में जगह-जगह पुष्पवर्षा कर यात्रा का किया गया स्वागत जयकारों से गूंजा तेंदूखेड़ा, डीजे की धुन पर झूमता निकला वाल्मीकि समाज



जबकि पीछे महर्षि वाल्मीकि और उनके शिष्य लव-कुश की आकर्षक झांकी सजी थी। शोभायात्रा भटरिया मार्ग, मुख्य बस स्टैंड, विद्यानगर, तारादेही चौराहा, राममंदिर मार्ग और थाना मार्ग सहित नगर के प्रमुख रास्तों से गुजरी। इस दौरान महर्षि वाल्मीकि के जयकारों से नगर गूंज उठा। शोभायात्रा का व्यापारियों और नगरवासियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा, माल्यार्पण और प्रसादी वितरण कर स्वागत किया। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में नाचते-गाते

चलीं, वहीं युवा और बच्चे डीजे की धुन पर थिरकते नजर आए। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने रामायण की रचना कर समाज को सत्य, धर्म और सदाचार का मार्ग दिखाया। उन्होंने समाजजनों से बच्चों को शिक्षित करने, एकता बनाए रखने और उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। आयोजन में समाज के वरिष्ठजन, युवा, महिलाएं और बच्चे बड़ी संख्या में शामिल हुए।

कार्यालय थाना प्रभारी

थाना निशातपुरा भोपाल

क्रमांक-था.प्र./निशात./मर्ग क्र.-69/2026 दिनांक-09.09.2026

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि थाना निशातपुरा, जिला भोपाल (म.प्र.) के मर्ग क्रमांक 69/2026 धारा 194 BNSS में अज्ञात मृतक पुरुष, उम्र करीब 30 वर्ष, कद करीब 5.6 फीट, बदन इकहरा, दाढ़ी व वाले बड़े-बड़े है, कोई कपडे नहीं पहने है, मानसिक रूप से अस्वस्थ प्रतीत हो रहा है। उक्त अज्ञात मृतक के बारे में कोई जानकारी प्राप्त होने पर थाना निशातपुरा भोपाल मो.न. 7587601924,7049105219 पर सम्पर्क करें।

G-20558/26

थाना प्रभारी

थाना निशातपुरा भोपाल



न्यूज विंडो

शॉर्ट सर्किट से किराना दुकान में लगी आग
से 24 लाख का सामान, नकदी राख



पोरसा/मुरैना। महुआ थाना क्षेत्र के एडिमाल का पुरा में सोमवार रात शॉर्ट सर्किट से किराना दुकान में भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से दुकान में रखा करीब 20 लाख रुपए का सामान और 4 लाख रुपए नकद जलकर राख हो गए। घटना में दुकानदार को कुल लगभग 24 लाख रुपए की आर्थिक क्षति होने का अनुमान है। आग की खबर फैलते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, एडिमाल का पुरा निवासी श्रीकृष्ण गुप्ता पुत्र सोप्रसाद गुप्ता की महुआ क्षेत्र में किराना दुकान है। सोमवार रात

दुकान में अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और दुकान में रखा किराना सामान, अन्य सामग्री तथा नकदी इसकी चपेट में आ गए। आग इतनी तेजी से फैली कि सामान बचाने का मौका नहीं मिल सका। प्रारंभिक जानकारी में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हालांकि, आग के वास्तविक कारण और नुकसान की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

तेंदूखेड़ा में रास्ते हुए ‘गुम’, साइन बोर्ड
गायब होने से राहगीर हो रहे परेशान



तेंदूखेड़ा। नगर की सीमा पर स्वागत और दिशा सूचक साइन बोर्ड गायब होने से बाहरी राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अनजान लोगों को मजिल तक पहुंचने के लिए गांवों, दुकानों और पेट्रोल पंपों पर रुककर रास्ता

10-15 साल पुराने बोर्ड आंधी में टूट्टे या हटाए गए, रात में जंगल के बीच भटकने को मजबूर होते हैं वाहन चालक

आशंका के चलते हटा दिए गए। इनके स्थान पर नए बोर्ड नहीं लगाए गए। पुरैया नदी पुल, तारादेही चौराहा, चौराई मार्ग और जबलपुर मार्ग पर बोर्डों का अभाव है। रात में परेशानी बढ़ जाती है। बाजार बंद होने के बाद सुनसान रास्तों और आसपास के जंगल के कारण वाहन चालक भटक जाते हैं। तेंदूखेड़ा कई प्रमुख मार्गों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण केंद्र है।

श्रीरामराजा सरकार के दरबार का बदला समय, अब सुबह 9 बजे से होंगे दर्शन

शरद पूर्णिमा के बाद बदली मंदिर की समय-सारणी, बाल भोग आरती से खुलेगा दरबार

ओरछा। दोपहर मेट्रो

धार्मिक एवं पर्यटन नगरी ओरछा स्थित विश्व प्रसिद्ध श्रीरामराजा मंदिर में भगवान के दर्शन और आरती की समय-सारणी में आज से बदलाव किया गया है। ठंड के मौसम को देखते हुए मंदिर प्रबंधन ने नई समय-सारणी लागू की है। अब श्रद्धालु सुबह 9 बजे से बाल भोग आरती के साथ श्रीरामराजा सरकार के दर्शन कर सकेंगे। मंदिर के प्रधान पुजारी पं.

रमाकांत शरण महाराज ने बताया कि शरद पूर्णिमा के दूसरे दिन से मंदिर में भगवान के दरबार खुलने और बंद होने का समय बदलने की परंपरा है। इसी परंपरा के अनुसार अब सुबह और शाम की आरती सहित दर्शन का समय निर्धारित किया गया है। नई व्यवस्था के तहत सुबह 9 बजे बाल भोग आरती के साथ दरबार खुलेगा। दोपहर 1 बजे राज भोग आरती के बाद मंदिर के पट बंद कर दिए जाएंगे। इसके बाद शाम को 7

बजे संध्या आरती के साथ एक बार फिर दरबार खुलेगा। रात 9:30 बजे ब्यारी शयन आरती के बाद श्रीरामराजा सरकार शयन करेंगे और दर्शन का क्रम समाप्त होगा। समय-सारणी में बदलाव के बाद ओरछा आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को दर्शन की योजना नई व्यवस्था के अनुसार बनानी होगी। मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले भक्तों को सुबह और शाम के निर्धारित समय का ध्यान रखने की सलाह दी गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बलराम कृषि महोत्सव को वीसी से किया संबोधित

उन्नत खेती में नरसिंहपुर की अलग पहचान किसानों की समृद्धि पर सरकार का जोर

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

कृषि उपज मंडी समिति प्रांगण में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किसानों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि नरसिंहपुर जिला उन्नत कृषि पद्धतियों और किसानों की मेहनत के लिए विशेष पहचान रखता है। भगवान बलराम के नाम पर आयोजित यह महोत्सव किसानों के सम्मान, कृषि विकास और समृद्धि के संकल्प को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण मंच है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की आय और खुशहाली बढ़ाने के लिए सिंचाई, जल संसाधनों के बेहतर उपयोग और आधुनिक कृषि तकनीकों को प्रोत्साहित करना जरूरी है। उन्होंने किसानों से नई पद्धतियां अपनाकर खेती को अधिक उन्नत और लाभकारी बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अक्सर बैंक के प्रशासक महेंद्र सिंह यादव ने जैविक खाद, वर्मी कम्पोस्ट, संतुलित उर्वरक उपयोग, पशुपालन और दुग्ध



किसानों ने साझा किए नवाचार

बलराम कृषि महोत्सव में जिले के प्रगतिशील किसानों ने खेती में किए जा रहे नवाचारों और अपने अनुभवों की जानकारी दी। नरसिंहपुर विकासखंड के चीलाचौनकलां के इन्द्रपाल पटेल ने नरवाई प्रबंधन और सुपर सीडर से बोनी के बारे में बताया। चीचली विकासखंड के पुसारिया की शिवानी कौरव प्राकृतिक खेती और केंचुआ खाद इकाई के माध्यम से कृषि को प्रोत्साहित कर रही हैं। गोटेगांव विकासखंड के रीछा गांव के लक्ष्मण पटेल ने कृषि संबंधी गतिविधियों के अनुभव साझा किए।

उत्पादन को बढ़ावा देने पर जोर दिया। तेंदूखेड़ा विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल, गोटेगांव विधायक महेंद्र सिंह नागेश और पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल ने भी किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को आधुनिक बनाने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकता बताई। महोत्सव में आधुनिक कृषि यंत्रों, ड्रिप-स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणालियों और कृषि नवाचारों की प्रदर्शनी लगाई

गई। प्रगतिशील किसानों ने प्राकृतिक खेती, नरवाई प्रबंधन, सुपर सीडर, उद्यानिकी और मत्स्य पालन के अनुभव साझा किए। कृषि, पशुपालन और नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पांच किसानों के साथ पांच मेधावी विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, किसान और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

पांच किसान और पांच मेधावी विद्यार्थी सम्मानित

बलराम कृषि महोत्सव में कृषि, पशुपालन और नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पांच प्रगतिशील किसानों को मंच से सम्मानित किया गया। सम्मानित किसानों में संजय पटेल, कृष्णकुमार वर्मा, लक्ष्मण रघुवंशी, राजकुमार चौधरी और विकास कौरव शामिल रहे। इसके साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों शिल्पा पटेल, मानव पटेल, लता वर्मा, दिव्याकर लोधी और नाममि कुर्मी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

गरबा के रंग में चमके विजेता, चार मंडलों पर बरसी 25-25 हजार की इनामी राशि

स्व. शांतिलाल डोड और स्व. रामदुलार सिंह ठाकुर की स्मृति में टीमों को किया सम्मानित

धारा। दोपहर मेट्रो

ज्वाला फैनल पोचोपाटी, धार के 44वें गरबा महोत्सव के अंतर्गत आयोजित गरबा प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण समारोह उत्साह के साथ संपन्न हुआ। स्व. शांतिलाल डोड की स्मृति में आयोजित प्रतियोगिताओं में विजेता गरबा टीमों को अतिथियों ने नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विजय बहादुर सिंह (नन्ने भैया) और संजय राठौर एकलदूना वाले उपस्थित रहे।

महोत्सव की सुपर फोर प्रतियोगिता के लिए स्व. रामदुलार सिंह ठाकुर की स्मृति में श्री गुप के दादा की ओर से एक लाख रुपए की पुरस्कार राशि भेंट की गई। इसके तहत राधा कृष्ण गरबा मंडल, शौर्य गरबा मंडल, रॉक ऑन गरबा मंडल



और मयूरी गरबा मंडल को 25-25 हजार रुपए की नकद राशि प्रदान की गई। इसके अलावा लक्ष्मी फैनल गरबा टीम और मां भवानी गरबा टीम को 11-11 हजार रुपए, जबकि अप्सरा गरबा टीम और मारुति गरबा टीम को 5-5 हजार रुपए देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण के दौरान गरबा मंडलों के सदस्यों में उत्साह देखने को मिला। आयोजन में विजेता टीमों को सम्मानित

कर उनके प्रदर्शन की सराहना की गई। समिति संयोजक नंदराम पहलवान ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले अतिथियों और सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की जानकारी समिति के एडवोकेट बंटी डोड ने दी। आयोजन के माध्यम से गरबा परंपरा को प्रोत्साहन देने के साथ प्रतिभागी मंडलों का उत्साहवर्धन किया गया।

बाइक धीरे चलाने की नसीहत पर खूनी संघर्ष, घायल की मौत से मचा हड़कंप

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

रांझी के गोकलपुर स्थित आजाद नगर में मोटरसाइकिल धीरे चलाने की नसीहत देना एक परिवार को भारी पड़ गया। शरद पूर्णिमा पर भंडारे के दौरान रविवार रात हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि इस दौरान लाठी-डंडों और चाकू से हमला कर कई लोगों को घायल कर दिया गया। गंभीर रूप से घायल कंचनपुर निवासी पारस यादव (48) की सोमवार शाम उपचार के दौरान मौत हो गई।

घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। हमले में महिला और बच्चों समेत कई लोग घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। मामूली बात पर शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि परिवार के लोगों को गंभीर परिणाम भुगतने पड़े। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने देर रात चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पारस यादव की मौत के बाद प्रकरण में आरोपियों के खिलाफ हत्या से संबंधित धाराएं बढ़ाने की कार्रवाई की जा रही है।

गल्ला व्यापारी के काउंटर से साढ़े तीन लाख रुपये से भरा बैग लेकर भागा बदमाश



मुरैना के रामनगर तिराहे पर वारदात पुलिस ने शुरू की तलाश

मुरैना। शहर में आज सुबह चोरी की वारदात सामने आई। स्टेशन रोड थाना क्षेत्र के रामनगर तिराहा स्थित गल्ले की दुकान से एक बदमाश व्यापारी के काउंटर पर रखा साढ़े तीन लाख रुपए से भरा बैग उठाकर फरार हो गया। घटना के बाद व्यापारी को आर्थिक नुकसान हुआ, वहीं इलाके में चोरी की वारदात से हलचल मच गई।

जानकारी के अनुसार, गल्ला व्यापारी संतोष बंसल मंगलवार सुबह अपनी दुकान पर रोजाना के कामकाज में व्यस्त थे। इसी दौरान एक बदमाश ने मौका देखकर काउंटर पर रखा रुपयों से भरा बैग उठाया और वहां से भाग निकला। व्यापारी को घटना की जानकारी होने पर मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने के बाद स्टेशन रोड थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और बदमाश का पता लगाने का प्रयास कर रही है। वारदात को लेकर पुलिस घटनास्थल के आसपास की परिस्थितियों की भी पड़ताल कर रही है। आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

कूनों में चीते को गोली मारने की आशंका, वन विभाग में हड़कंप

नितनवास बीट में पैर में गंभीर चोट की सूचना, टोपीदार बंदूक के तीन छरे लगने की चर्चा जांच के लिए एसटीएफ और डॉंग स्क्वाड पहुंची

रघोपुर। दोपहर मेट्रो

कूनों वनमंडल के विजयपुर पूर्व रेंज स्थित नितनवास बीट में एक चीते को शिकारियों द्वारा गोली मारने की आशंका से वन विभाग में हड़कंप मच गया है। सूत्रों के अनुसार, चीते के पैर में गंभीर चोट आई है। आशंका जताई जा रही है कि उसे शिकार में इस्तेमाल होने वाली टोपीदार बंदूक से गोली मारी गई, जिसके तीन छरे उसके पैर में लगे हैं। चीते की मौत होने की सूचना भी सामने आई है, लेकिन वन विभाग के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

जांच में जुटी टीमें

घटना की सूचना मिलने के बाद मामले की पड़ताल के लिए भोपाल एसटीएफ और मुरैना-शिवपुरी की डॉंग स्क्वाड



टीम मौके पर पहुंची है। वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी भी घटनास्थल पर जुटकर जांच में लगे हैं। जांच टीम घटना से जुड़े तथ्यों और चीते को चोट लगने के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

मौत की पुष्टि का इंतजार

चीते को गोली लगने और उसकी मौत की खबर से वन महकमे में चिंता का माहौल है। हालांकि, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि चीते की मौत हुई है या वह घायल अवस्था में है। वन विभाग की ओर से मामले में आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। जांच के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

इंदौर में कल संघ का ‘चरैवेति’ एकत्रीकरण पांच जिलों के स्वयंसेवक होंगे शामिल

इंदौर। दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के समापन अवसर पर 28 अक्टूबर को इंदौर के डेली कॉलेज परिसर में वृहत ‘चरैवेति’ एकत्रीकरण आयोजित किया जाएगा। शाम 4.30 बजे से प्रस्तावित इस कार्यक्रम में इंदौर विभाग के पांच जिलों के हजारों सक्रिय स्वयंसेवकों के शामिल होने की जानकारी दी गई है। आयोजन का उद्देश्य संघ के सौ वर्ष के सफर के बाद राष्ट्रकार्य, सामाजिक परिवर्तन और समरसता के संकल्प को आगे बढ़ाने का संदेश देना है।

एकत्रीकरण में ध्वज प्रणाम, शारीरिक कौशल प्रदर्शन और बौद्धिक मार्गदर्शन जैसे कार्यक्रम होंगे। इसकी तैयारियां पिछले एक माह से की जा रही हैं। निर्धारित

समय से पहले स्वयंसेवक अपनी-अपनी शाखाओं पर एकत्रित होंगे। कार्यक्रम का ध्येय वाक्य ‘चरैवेति-चरैवेति’ रखा गया है, जिसका आशय निरंतर लक्ष्य की ओर आगे बढ़ते रहने से है। संघ की स्थापना वर्ष 1925 में हुई थी और वर्ष 2025-26 में शताब्दी वर्ष के तहत देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस आयोजन में व्यक्ति निर्माण, सामाजिक समरसता और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण का संकल्प दोहराया जाएगा।

इसके बाद 2 नवंबर से आरएसएस की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक प्रस्तावित है। बैठक में विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श होगा। हालांकि, बैठक का विस्तृत एजेंडा अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है।

मेट्रो एंकर

36 कलशों से हुआ गुरु चरणों का अभिषेक, आचार्य छत्तीसी विधान के साथ अष्टधातु के गुरु चरणों की हुई मंगल स्थापना

गुरु जन्मोत्सव पर भक्ति में डूबा तेंदूखेड़ा, जयकारों से गूंजा पारश्वनाथ मंदिर

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर के श्री पारश्वनाथ मंदिर में परम पूज्य आचार्य भगवन श्री 108 विद्यासागर जी महाराज एवं उनके उत्तराधिकारी आचार्य श्री 108 समयसागर जी महाराज के पावन जन्मोत्सव पर श्रद्धा और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। इस अवसर पर आयोजित धार्मिक अनुष्ठानों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर गुरु चरणों में श्रद्धा अर्पित की।

कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुदेव के पावन चरणों का 36 कलशों से अभिषेक कर किया गया। इसके बाद सामूहिक रूप से भव्य आचार्य छत्तीसी विधान संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के तप, त्याग, संयम



और साधना का स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। आयोजन का मुख्य आकर्षण मंदिर परिसर में नवनर्मित चरण-छतरी में अष्टधातु से निर्मित गुरु चरणों की मंगल स्थापना रही। सौभाग्यवती माताओं, बहनों और श्रावकों ने विधि-विधान के साथ गुरु चरणों को विराजमान कराया। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर

रहा। मंगल आरती के समय श्रद्धालुओं ने सामूहिक गुरु वंदना की। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज और आचार्य श्री समयसागर जी महाराज के जयकारों से मंदिर गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने गुरु चरण-छतरी को तप, त्याग, संयम और आध्यात्मिक प्रेरणा का प्रतीक बताया। अंत में मंगल आरती और गुरु जयघोष के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

36 कलशों से अभिषेक विधान में उमड़ी आस्था

गुरु जन्मोत्सव के अवसर पर श्री पारश्वनाथ मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं का उत्साह देखने को मिला। धार्मिक अनुष्ठानों की शुरुआत गुरुदेव के पावन चरणों के 36 कलशों से अभिषेक के साथ हुई। भक्तों ने विधि-विधान और श्रद्धाभाव से अभिषेक कर गुरु वंदना की। इसके बाद सामूहिक रूप से आचार्य छत्तीसी विधान संपन्न किया गया। विधान के दौरान आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के तप, त्याग, संयम और साधनामय जीवन का स्मरण किया गया। श्रद्धालुओं ने उनके बताए मार्ग पर चलने तथा सदाचार, सेवा और आत्मकल्याण के आदर्श अपनाने की प्रेरणा ली। पूरे आयोजन में भक्तिमय माहौल बना रहा।

गुरु चरण-छतरी बनी आकर्षण का केंद्र

मंदिर परिसर में नवनर्मित भव्य चरण-छतरी में अष्टधातु से निर्मित गुरु चरणों की मंगल स्थापना गुरु जन्मोत्सव का विशेष आकर्षण रही। सौभाग्यवती माताओं, बहनों और पुण्यशाली श्रावकों ने धार्मिक विधि-विधान के साथ गुरु चरणों को विराजमान कराया। स्थापना के दौरान श्रद्धालुओं ने जयकारे लगाकर अपनी आस्था व्यक्त की। मंगल आरती के समय पूरा मंदिर परिसर आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज और आचार्य श्री समयसागर जी महाराज के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने कहा कि गुरु चरण-छतरी केवल स्मारक नहीं, बल्कि तप, त्याग, संयम और वीतरागी जीवन से प्रेरणा लेने का पावन प्रतीक है।

पूर्व कोच के खुलासे ने आलोचकों को दिया करारा जवाब

आलसी नहीं, अंदर से फाइटर हैं रोहित शर्मा, वनडे वर्ल्ड कप जीतने का है सपना

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा की फिटनेस को लेकर अक्सर सवाल उठाए जाते हैं। कुछ आलोचक उन्हें सुस्त और अनफिट बताते हैं, लेकिन टीम इंडिया के पूर्व स्ट्रेथ एंड कंडीशनिंग कोच सोहम देसाई ने इन धारणाओं पर सवाल खड़े किए हैं। एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान उन्होंने रोहित की फिटनेस, ट्रेनिंग रूटीन और पुरानी चोट को लेकर कई अहम बातें साझा कीं। उनके खुलासे से साफ होता है कि रोहित की फिटनेस को केवल उनके शरीर के आकार से आंकना सही नहीं है। रोहित शर्मा के सामने अब 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप में भारत के लिए ट्रॉफी जीतने का लक्ष्य है। ऐसे में उनकी फिटनेस और मैदान

पर लंबे समय तक टिके रहने की क्षमता चर्चा का विषय बनी हुई है।

सोहम देसाई के मुताबिक, रोहित शर्मा के करियर में 2017 का दौर बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल के आसपास लगी गंभीर हिप चोट ने उनकी फिटनेस को प्रभावित किया था। इस चोट के बाद उन्हें हैमस्ट्रिंग और हिप फ्लेक्सर से जुड़ी सर्जरी करानी पड़ी। पूर्व कोच ने बताया कि इस चोट के बाद रोहित के लिए हिप का हिस्सा शरीर का सबसे संवेदनशील क्षेत्र बन गया। ऐसे में उनकी फिटनेस बनाए रखने के लिए नियमित स्ट्रेथ ट्रेनिंग बेहद जरूरी हो गई। चोट से उबरने और भविष्य में ऐसी परेशानी से बचने के लिए उन्हें अपनी ट्रेनिंग पर लगातार ध्यान देना पड़ा।



हफ्ते में दो बार स्ट्रेथ ट्रेनिंग करते हैं रोहित

सोहम देसाई ने रोहित को आलसी बताने वाली धारणाओं को खारिज करते हुए कहा कि उनकी ट्रेनिंग की जरूरतों को समझना जरूरी है। उनके अनुसार, पिछले सात से आठ वर्षों में रोहित के लिए स्ट्रेथ ट्रेनिंग उनकी फिटनेस व्यवस्था का अहम हिस्सा रही है। वह हफ्ते में कम से कम दो बार स्ट्रेथ ट्रेनिंग करते हैं। पूर्व कोच के मुताबिक, रोहित की फिटनेस को लेकर अपनाई गई रणनीति ने उन्हें लंबे समय तक क्रिकेट खेलने में मदद की है। आईपीएल में कसानी करना, लगातार व्यस्त क्रिकेट कैलेंडर का हिस्सा बने रहना और अलग-अलग प्रारूपों में प्रदर्शन करना आसान नहीं है। इसके लिए शरीर की जरूरतों के हिसाब से ट्रेनिंग करना जरूरी होता है।

विराट कोहली और रोहित की ट्रेनिंग में क्या है अंतर?

सोहम देसाई ने विराट कोहली और रोहित शर्मा की ट्रेनिंग की तुलना करते हुए बताया कि दोनों खिलाड़ियों की शारीरिक जरूरतें अलग हैं। विराट कोहली मैदान पर अपनी गति, दौड़ने की क्षमता और सामान्य स्ट्रेथ पर विशेष ध्यान देते हैं। वहीं, रोहित की पुरानी चोटों को देखते हुए उनकी ट्रेनिंग में स्ट्रेथ और शरीर को चोट से बचाए रखने पर अधिक जोर देना पड़ता है। दोनों खिलाड़ियों की फिटनेस रणनीतियों में अंतर उनके शरीर और खेल की जरूरतों के अनुसार है। ऐसे में किसी खिलाड़ी की फिटनेस का आकलन केवल उसकी शारीरिक बनावट देखकर नहीं किया जा सकता।

विश्व फुटबॉल के उभरते सितारे लामाइन यमाल की ऐतिहासिक हैट्रिक!

लगातार तीसरी बार जीती कोपा ट्रॉफी

फुटबॉल जगत में रचा नया इतिहास

पेरिस, एजेंसी

विश्व फुटबॉल के उभरते सितारे लामाइन यमाल ने अपनी असाधारण प्रतिभा के दम पर एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। 2026 बैलोन डी%ओर पुरस्कार समारोह में बार्सिलोना और स्पेन के युवा खिलाड़ी यमाल ने लगातार तीसरी बार कोपा ट्रॉफी जीतकर इतिहास रच दिया। वह तीन बार यह प्रतिष्ठित पुरस्कार जीतने वाले पहले फुटबॉलर बन गए हैं। उनकी इस उपलब्धि ने विश्व फुटबॉल में उनके बढ़ते दबदबे को और मजबूत कर दिया है। समारोह में स्पेनिश फुटबॉल का प्रभाव भी देखने को मिला, जहां खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और क्लबों ने कई प्रमुख पुरस्कार अपने नाम किए। लामाइन यमाल ने वर्ष 2024 और 2025 में भी कोपा ट्रॉफी जीती थी। अब 2026 में लगातार तीसरी बार यह सम्मान हासिल कर उन्होंने फुटबॉल इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है। महज 19 वर्ष की उम्र में उनकी यह उपलब्धि उनकी प्रतिभा, निरंतरता और मैदान पर प्रभावशाली प्रदर्शन की गवाही देती है। बार्सिलोना के लिए 2025-26 सीजन में यमाल ने शानदार खेल दिखाया। उन्होंने 45 मुकाबलों में 24 गोल किए और 18 गोल करने में साथियों की मदद की। उनकी आक्रामक शैली, गेंद पर नियंत्रण और विरोधी रक्षापंक्ति को भेदने की क्षमता ने टीम को कई अहम मुकाबलों में मजबूती दी। बार्सिलोना की ला लीगा और स्पेनिश सुपर कप की सफलता में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। यमाल को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 2025-26 सीजन का ला लीगा का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया। लगातार तीसरी कोपा ट्रॉफी जीतने के साथ उन्होंने साबित किया कि वह केवल भविष्य के सितारे नहीं, बल्कि वर्तमान फुटबॉल के सबसे प्रभावशाली खिलाड़ियों में भी शामिल हैं।



कोच और गोलकीपर ने भी जीते पुरस्कार

पुरस्कार समारोह में स्पेन की राष्ट्रीय टीम और उसके खिलाड़ियों का प्रदर्शन चर्चा का प्रमुख विषय रहा। स्पेन के मुख्य प्रशिक्षक लुइस डे ला फुएते को पुरुष वर्ग में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षक चुना गया। उनके नेतृत्व में स्पेन ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। टीम की सफलता में अनुशासन, सामूहिक प्रयास और खिलाड़ियों के बीच बेहतर तालमेल की अहम भूमिका रही है। स्पेन के गोलकीपर उनाई साइमन को भी पुरुष वर्ग में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुने जाने का सम्मान मिला। उनके प्रदर्शन ने टीम की रक्षापंक्ति को मजबूती प्रदान की। समारोह में स्पेनिश खिलाड़ियों को मिले सम्मान ने देश की फुटबॉल व्यवस्था और युवा प्रतिभाओं के विकास को लेकर एक बार फिर ध्यान आकर्षित किया।

हैरी केन की गोल बरसाने वाली फॉर्म स्ट्राइकर ऑफ द ईयर का सम्मान

बार्नर म्यूनिख और इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने भी पुरस्कार समारोह में अपनी छाप छोड़ी। उन्हें पुरुष वर्ग में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइकर चुना गया। 2025-26 सीजन में उनके नाम 73 गोल और आठ गोल में सहायता दर्ज होने का दावा किया गया है। उनकी गोल करने की क्षमता और आक्रमण में प्रभाव ने उन्हें इस सम्मान का मजबूत दावेदार बनाया। केन लंबे समय से अपनी सटीक फिनिशिंग, शानदार पोजिशनिंग और दबाव में गोल करने की क्षमता के लिए पहचाने जाते हैं। बार्नर म्यूनिख के आक्रमण में उनकी भूमिका बेहद अहम रही है। वहीं, मैक्सिको और सीएफ पवूका की चार्लिन कोरल ने महिला वर्ग में गड्ढे मुलर ट्रॉफी जीतकर अपनी उपलब्धि में एक और सम्मान जोड़ा।

पीएसजी और बार्सिलोना फेमिनी को भी बड़ी कामयाबी

वल्ब वर्ग में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) को पुरुषों का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ वल्ब चुना गया। यूरोपीय फुटबॉल में उनकी सफलता और टीम के सामूहिक प्रदर्शन ने उसे इस सम्मान की दौड़ में आगे रखा। महिला वर्ग में बार्सिलोना फेमिनी को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ वल्ब घोषित किया गया। टीम ने 2025-26 सीजन में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई प्रमुख खिताब जीते। बार्सिलोना फेमिनी की सफलता ने महिला फुटबॉल में वल्ब की मजबूत स्थिति को फिर रेखांकित किया। दूसरी ओर, पीएसजी की उपलब्धियों ने यूरोपीय वल्ब फुटबॉल में उसकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को उजागर किया।

युवा प्रतिभा से विश्व फुटबॉल के बड़े मंच तक पहुंचे यमाल

2026 का समारोह कई खिलाड़ियों और क्लबों के लिए यादगार रहा, लेकिन सबसे अधिक चर्चा लामाइन यमाल की ऐतिहासिक उपलब्धि को लेकर हुई। लगातार तीन बार कोपा ट्रॉफी जीतना उनकी असाधारण प्रतिभा और निरंतर प्रगति का प्रतीक है। बार्सिलोना के लिए उनके गोल और गोल में सहायता के आंकड़े भी उनकी अहमियत को दर्शाते हैं।

भारत 'ए' के लिए खेल सकते हैं अभ्यास टेस्ट

न्यूजीलैंड दौरे से पहले बुमराह और ऋषभ पंत की वापसी के संकेत



नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत की मैदान पर वापसी को लेकर अच्छी खबर सामने आई है। भारतीय टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज बुमराह और आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज पंत न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला से पहले प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में लौट सकते हैं। दोनों खिलाड़ी भारत 'ए' और न्यूजीलैंड 'ए' के बीच होने वाले तीसरे अनौपचारिक टेस्ट मैच में खेलते दिखाई दे सकते हैं। यह मुकाबला 7 से 10 नवंबर के बीच न्यूजीलैंड के लिनकन में प्रस्तावित है। हालांकि, दोनों की उपलब्धता फिटनेस और चिकित्सकीय मंजूरी पर निर्भर करेगी।

न्यूजीलैंड दौरे से पहले बुमराह और पंत बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड के उत्कृष्टता केंद्र में अपनी फिटनेस सुधारने में जुटे हैं। दोनों खिलाड़ियों की भारतीय टेस्ट टीम में अहम भूमिका है। ऐसे में टीम प्रबंधन आगामी श्रृंखला से पहले उनकी मैच खेलने की क्षमता का आकलन करना चाहता है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच दो टेस्ट मैचों का श्रृंखला 19 नवंबर से शुरू होगी है। इससे पहले अभ्यास मैच दोनों खिलाड़ियों के लिए अपनी लय और फिटनेस साबित करने का अवसर बन सकता है। भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण की अनुप्राप्ति करने वाले जसप्रीत बुमराह की वापसी टीम के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। वह फिलहाल बोर्ड की वापसी संबंधी प्रक्रिया के तहत अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। इस प्रक्रिया का उद्देश्य खिलाड़ी को प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में उतारने से पहले पूरी तरह तैयार करना है। बुमराह की सटीक यॉर्कर और दबाव के समय विकेट लेने की क्षमता न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में भारत के लिए निर्णायक साबित हो सकती है।

पंत ने शुरू किया बल्लेबाजी अभ्यास

दूसरी ओर, ऋषभ पंत भी चोट से उबरने के बाद बल्लेबाजी अभ्यास की ओर लौट रहे हैं। ईरानी कप के दौरान उन्हें मांसपेशियों में खिंचाव की समस्या हुई थी। इसके बाद से उनकी फिटनेस पर नजर रखी जा रही है। पंत ने बेंगलुरु में हल्का बल्लेबाजी अभ्यास शुरू कर दिया है, लेकिन उन्हें बोर्ड की चिकित्सकीय टीम से अंतिम मंजूरी मिलना बाकी है। पंत की गैरमौजूदगी में भारत 'ए' के शुरुआती दो मुकाबलों के लिए कुमार कुशाग्र को वैकल्पिक विकेटकीपर-बल्लेबाज के तौर पर शामिल किया गया था। यदि पंत को खेलने के लिए फिट घोषित किया जाता है, तो उन्हें न्यूजीलैंड 'ए' के खिलाफ तीसरे मुकाबले में अवसर मिल सकता है।

टेस्ट श्रृंखला से पहले मिलेगी तैयारी की परीक्षा

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से पहले यह मुकाबला दोनों खिलाड़ियों की तैयारियों को परखने का अहम अवसर हो सकता है। बुमराह के लिए गेंदबाजी का कार्यभार और पंत के लिए बल्लेबाजी तथा विकेटकीपिंग की क्षमता का आकलन महत्वपूर्ण रहेगा। हालांकि, दोनों की वापसी को लेकर अंतिम फैसला उनकी फिटनेस रिपोर्ट के आधार पर ही होगा।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

रश्मिका मंदाना के सपोर्ट में उतरीं मधु, किया बड़ा खुलासा!



अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों अपने साउथ इंडियन एक्सेंट को लेकर दिग्गज बयान के कारण चर्चा में हैं। अब अभिनेत्री मधु उनके समर्थन में सामने आई हैं। मधु ने रश्मिका के आत्मविश्वास और अपनी पहचान को गर्व के साथ स्वीकार करने के अंदाज की जमकर तारीफ की है। इसके साथ ही उन्होंने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपने शुरुआती दिनों के संघर्ष को भी याद किया, जब वह अपने उच्चारण को लेकर काफी परेशान रहती थीं।

अपने संघर्ष के दिनों को याद कर भावुक हुई एक्ट्रेस

रश्मिका के जवाब ने जीता मधु का दिल

दूरअसल, फिल्ममेकर करण जोहर के चर्चित टॉक शो 'काफी विद करण' में रश्मिका मंदाना ने अपने एक्सेंट, भाषा और अभिनय को लेकर होने वाली ट्रोलिंग पर बात की थी। उन्होंने कहा था कि वह साउथ इंडियन हैं और उनके बोलने के तरीके में उनका क्षेत्रीय उच्चारण स्वाभाविक रूप से नजर आएगा। रश्मिका की इसी बेबाकी से मधु काफी प्रभावित हुईं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए अभिनेत्री की तारीफ की।

एक्सेंट पकड़ में न आए, इसलिए करती थी ज्यादा मेहनत

रश्मिका की तारीफ करते हुए मधु ने अपने करियर के शुरुआती दौर का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था, तब साउथ इंडियन होने के कारण उन्हें भी लोगों के जजमेंट का डर सताता था। मधु के मुताबिक, वह अपने उच्चारण को लेकर इतनी चिंतित रहती थीं कि हिंदी सुधारने के लिए उन्होंने उर्दू की टीचर रखने की कोशिश की।

30-35 साल बाद अपनी पहचान पर हुआ गर्व

मधु ने कहा कि आज उन्हें साउथ इंडियन होने पर गर्व है। अब अगर उनकी हिंदी में कोई गलती हो जाती है या उनके बोलने के तरीके में क्षेत्रीय उच्चारण झलकता है, तो उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं होती। हालांकि, इस आत्मविश्वास तक पहुंचने में उन्हें 30 से 35 साल लग गए। रश्मिका के लिए शुभकामनाएं देते हुए मधु ने कहा कि उन्हें अभिनेत्री का अपनी पहचान को अपनाना और आलोचनाओं का सामना हंसते हुए करना बेहद पसंद आया। उन्होंने रश्मिका को इसी तरह आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते रहने की सलाह दी और उन्हें सच्चा स्टार बताया। मधु का यह संदेश सिर्फ रश्मिका के समर्थन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भी दिखाता है कि किसी कलाकार की पहचान और उसकी भाषा उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी खासियत हो सकती है।



मेट्रो बाजार

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नीदरलैंड्स के साथ व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग को और मजबूत बनाने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई है। अपनी नीदरलैंड्स यात्रा के दौरान उन्होंने समुद्री परिवहन, लॉजिस्टिक्स, सप्लाई चेन और भारतीय समुदाय से जुड़े कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया तथा दोनों देशों के बीच नई आर्थिक

भारत-नीदरलैंड्स आर्थिक रिश्तों को नई मजबूती, व्यापार और निवेश बढ़ाने पर जोर: पीयूष गोयल

संभावनाओं पर चर्चा की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, अपनी यात्रा के दौरान गोयल ने यूरोप के सबसे बड़े बंदरगाह पोर्ट ऑफ रॉटरडैम का दौरा किया, जहां उनके साथ बंदरगाह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बोडेवाइन सीमोंस भी मौजूद थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रॉटरडैम यूरोपीय बाजारों तक भारतीय उत्पादों की पहुंच का एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है और वैश्विक व्यापार तथा आपूर्ति श्रृंखलाओं में इसकी रणनीतिक

भूमिका बेहद अहम है। गोयल ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच पोर्ट-आधारित विकास, लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार, सप्लाई चेन कनेक्टिविटी को मजबूत करने और व्यापार एवं निवेश के नए अवसरों को बढ़ावा देने पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ। उन्होंने कहा कि भारत अपने बंदरगाहों के आधुनिकीकरण और विश्वस्तरीय समुद्री अवसंरचना के विकास पर तेजी से काम कर रहा है तथा इस क्षेत्र में नीदरलैंड्स की विशेषज्ञता भारत के लिए काफी उपयोगी हो सकती है।

भारत में टेस्ला का पहले वित्तीय वर्ष में धमाका! 247 करोड़ की कमाई, मुनाफा 5 करोड़ के पार

नई दिल्ली। एलन मस्क की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) निर्माता कंपनी टेस्ला इंडिया मोटर्स एंड एनर्जी ने भारत में वाहन बिक्री शुरू करने के बाद अपने पहले पूर्ण वित्तीय वर्ष में मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 में 247.31 करोड़ रुपए का राजस्व (रेवेन्यू) और 5.16 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ (नेट प्रॉफिट) दर्ज किया। कंपनी की नियामकीय फाइलिंग के अनुसार, परिचालन से होने वाला राजस्व एक वर्ष पहले के 20.83 करोड़ रुपए के मुकाबले लगभग 12 गुना बढ़ गया। एलन मस्क की इस ईवी कंपनी के लिए वित्त वर्ष 2026 बेहद खास रहा, क्योंकि यही पहला वर्ष था जब वाहन बिक्री ने उसके राजस्व में प्रत्यक्ष योगदान दिया। इससे पहले वित्त वर्ष 2025 में कंपनी की पूरी आय केवल सेवाओं से संबंधित गतिविधियों से आई थी। वित्त वर्ष 2026 में कुल राजस्व का लगभग 87 प्रतिशत हिस्सा वाहन बिक्री से आया, जिससे 214.69



करोड़ रुपए की आय हुई। वहीं सेवाओं से कंपनी को 32.40 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। कंपनी के मुनाफे में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला। वित्त वर्ष 2025 में जहां शुद्ध लाभ केवल 55.49 लाख रुपए था, वहीं वित्त वर्ष 2026 में यह बढ़कर 5.16 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। यह वृद्धि ऐसे समय में हुई जब टेस्ला ने 2025 में मुंबई में अपना पहला शोरूम शुरू कर भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति का विस्तार किया। हालांकि बिक्री का आधार अभी अपेक्षाकृत छोटा है, लेकिन मांग में तेजी के संकेत स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। सितंबर 2025 से मार्च 2026 के बीच कंपनी ने भारत में 346 वाहनों का पंजीकरण दर्ज किया था। इसके मुकाबले अप्रैल से सितंबर वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही में ही पंजीकरण बढ़कर 650 इकाइयों तक पहुंच गया, जो पूरे पिछले वर्ष की बिक्री से अधिक है।

मुंबई। अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा एक बार फिर अपने टॉक शो 'मॉम टॉक्स-मां की बात मां के जज्बात' के दूसरे सीजन के साथ वापसी करने जा रही हैं। पेरेंटिंग पर आधारित इस शो में मातृत्व, बच्चों की परवरिश और माता-पिता की जिंदगी से जुड़े उन पहलुओं पर चर्चा होगी, जिनके बारे में अक्सर खुलकर बात नहीं की जाती। शो के नए सीजन की शूटिंग शुरू हो चुकी है और इसका प्रीमियर नवंबर में बुलेट माइक्रोड्रामा ऐप और श्वश्र्व 5 पर होगा। परिणीति चोपड़ा ने शो की वापसी पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य पेरेंटिंग से जुड़ी ईमानदार और बेबाक बातचीत को सामने लाना है। उनके मुताबिक, यह शो मददगार के

परिणीति की छोटे पर्दे पर वापसी, 'मॉम टॉक्स' के नए सीजन में खुलेंगे पेरेंटिंग के अनकहे राज!

अलग-अलग अनुभवों और नजरियों को समझने का मौका देता है। शो में माता-पिता अपने निजी अनुभव साझा करेंगे, वहीं विशेषज्ञों की राय के जरिए बच्चों की परवरिश से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं पर भी चर्चा होगी। इसका मकसद खासतौर पर युवा माता-पिता के लिए पेरेंटिंग को समझना आसान और दिलचस्प बनाना है। दूसरे सीजन में कई चर्चित सेलिब्रिटी कपल अपनी निजी जिंदगी और पेरेंटिंग के अनुभव साझा



करते दिखाई देंगे। इनमें आयुष शर्मा और अर्पिता खान, दिव्यांका त्रिपाठी और निवेक दहिया के साथ सुरुभि ज्योति और अनुष्का रंजन के नाम शामिल हैं। निर्माताओं की ओर से अन्य मेहमानों के नामों का ऐलान भी जल्द किए जाने की बात कही गई है। शो के पहले सीजन में राघव चड्ढा, इमरान खान, नेहा धूपिया, विक्रान्त मैसी और शोतल ठाकुर जैसी हस्तियां शामिल हुई थीं।

पुष्कर मेला देशभर से आ रहे हजारों पशुपालक



ऊंट-घोड़े की कतारों से बन रहा अस्थायी गांव

राजस्थान के पुष्कर में इन दिनों रेत के टीलों पर देश भर से आए हजारों पशुपालक जुटना शुरू हो गए हैं। ऊंट, घोड़े और मवेशियों की कतारों से यह इलाका एक अस्थायी गांव जैसा नजर आ रहा है। पुष्कर मेला पशुपालकों के लिए सालभर की मेहनत का नतीजा माना जाता है। यह मेला सिर्फ व्यापार का मंच नहीं, बल्कि ग्रामीण संस्कृति और परंपरा का उत्सव भी है। मेले की औपचारिक शुरुआत कार्तिक शुक्ल एकम यानि 10 नवंबर से होगी। यह 26 नवंबर तक चलेगा।

न्यूज विंडो

ईडी का छापा: सुशील विला में दस्तावेजों की जांच-पड़ताल कर रही टीम



रायपुर/दुर्ग। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर और दुर्ग में मंगलवार को सुबह प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने रेड मारी। रायपुर के पंडड़ी में रवि नगर स्थित सुशील विला में ईडी ने दबिश दी। यहां पर घर के अंदर अधिकारियों की टीम दस्तावेजों की जांच-पड़ताल कर रही है। हालांकि यह कार्रवाई किस मामले में हुई है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। ईडी की टीम कागजों की छानबीन कर रही है।

पानीपत की गुप्ता फैक्ट्री में भीषण आग, एक श्रमिक की मौत



पानीपत (हरियाणा)। पानीपत तड़के करीब साढ़े तीन बजे पानीपत की गुप्ता फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। इस हादसे में रिशु नाम के एक श्रमिक की जिंदा जलने से मौत हो गई, जबकि धनेश्वर नामक एक अन्य श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गया। धनेश्वर को जिला नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां से हालत गंभीर होने पर उसे रेफर कर दिया गया है। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ियां और पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर कुछ हद तक नियंत्रण पाया जा सका है। फैक्ट्री में लगी आग इतनी भीषण थी कि उसने काफी नुकसान पहुंचाया है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है और पुलिस व दमकल विभाग इसकी जांच कर रहे हैं।

अरावली पहाड़ियों में आग ने लिया विकराल रूप, कई किमी तक तबाही



अलवर। अलवर जिले के रामगढ़ क्षेत्र में फैली अरावली की पहाड़ियों में लगी आग ने देर शाम तक विकराल रूप धारण कर लिया। पहाड़ी पर सूखी झाड़ियों में लगी आग हवा के साथ फैलते हुए सरहेटा और बड़ौद की पहाड़ियों से करीब तीन किलोमीटर दूर गोहा की पहाड़ी तक पहुंच गई। आग की लपटें देखकर आसपास के ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। आग पर काबू पाने के लिए प्रशासन, वन विभाग और दमकल की टीमों कई घंटों तक मशक्कत करती रही। देर रात आग बुझाने के लिए एनडीआरएफ की टीम को मौके पर बुलाया गया। जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह करीब 10 बजे सरहेटा की पहाड़ी पर अज्ञात कारणों से सूखी झाड़ियों में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने बड़े क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया।

आइजेनकोट ने 7 अक्टूबर के हमले की याद दिलाकर मांगे वोट

इस्राइल में आम चुनाव के मतदान जारी नेतन्याहू के लिए कठिन हो सकती है राह

येरूशलम। एजेंसी

इस्राइल में आम चुनाव के लिए मतदान जारी है। देश के 73,31,981 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। मतदान स्थानीय समयानुसार रात 10 बजे तक चलेगा। चुनाव से पहले प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनके प्रमुख प्रतिद्वंद्वी गादी आइजेनकोट ने मतदाताओं से अपने पक्ष में वोट देने की अपील की। इस्राइल के पूर्व सेना प्रमुख और यशर पार्टी के नेता गादी आइजेनकोट ने मतदाताओं को 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में सरकार बदलने और देश को बेहतर दिशा देने का अवसर है। आइजेनकोट ने नेतन्याहू सरकार पर सुरक्षा में चूक की जवाबदेही से बचने का आरोप लगाया। उनका गठबंधन हमले की जांच के लिए स्वतंत्र आयोग बनाने की मांग कर रहा है।



इस्राइल में ऐसे बनेगी नई सरकार

मतगणना के बाद राष्ट्रपति इसाक हर्जोग चुनाव जीतने वाली पार्टियों के नेताओं से चर्चा करेंगे। इसके बाद वह उस सांसद को सरकार बनाने का मौका देंगे, जिसके पास बहुमत जुटाने की सबसे अच्छी संभावना होगी। उसे गठबंधन बनाने के लिए 28 दिन मिलेंगे। जरूरत पड़ने पर 14 दिन की अतिरिक्त मोहलत भी दी जा सकती है। यदि पहला प्रयास विफल रहता है, तो दूसरे नेता को 28 दिन का समय दिया जा सकता है। आगे भी सरकार बनाने की कोशिशें नाकाम रहने पर देश में फिर चुनाव हो सकते हैं। नई सरकार बनने तक नेतन्याहू कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने रहेंगे।

नेतन्याहू ने विपक्ष पर साधा निशाना

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने संदेश में विपक्षी दलों को वामपंथी गठबंधन बताया। उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष सत्ता में आता है तो उसे अरब पार्टियों के समर्थन पर निर्भर रहना पड़ सकता है। नेतन्याहू ने मतदाताओं से उनकी लिक्वुड पार्टी को वोट देने की अपील की। वह अपने चुनाव प्रचार में खुद को देश की सुरक्षा के लिए मजबूत नेता के रूप में पेश कर रहे हैं। यिसराइल बेटेनु पार्टी के नेता एविगडोर लिबरमैन ने कहा कि नेतन्याहू के खिलाफ वोट देना इस्राइल को मजबूत बनाने के पक्ष में वोट देना है। उन्होंने अनिवार्य सैन्य या नागरिक सेवा, कानून के सामने समानता और नागरिक स्वतंत्रता जैसे मुद्दे उठाए। वहीं, डेमोक्रेट्स पार्टी के ययार गोलांन ने भी सरकार बदलने की अपील की।

दुलारचंद हत्याकांड: 30 को सुप्रीम कोर्ट में अनंत सिंह की जमानत पर सुनवाई

पटना। एजेंसी

दुलारचंद यादव हत्याकांड में पटना उच्च न्यायालय से मोकामा विधायक अनंत सिंह को मिली जमानत रद्द करने की मांग वाली याचिका पर उच्चतम न्यायालय 30 अक्टूबर को सुनवाई करेगा। याचिकाकर्ता और मृतक के पोते नीरज कुमार ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर आरोप लगाया है कि उच्च न्यायालय ने अनंत सिंह के आपराधिक इतिहास पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। संयोग से 30 अक्टूबर को ही दुलारचंद यादव की पहली बरसी भी है। राज्य सरकार ने भी शीर्ष अदालत में अनंत सिंह के आपराधिक रिकॉर्ड का जिक्र करते हुए उनके खिलाफ दर्ज हत्या, हत्या के प्रयास, रंगदारी, अपहरण और आर्मस एक्ट जैसे गंभीर मुकदमों की जानकारी दी है।



जम्मू-कश्मीर में मंत्रिमंडल विस्तार

उमर सरकार में हो रही चार नए मंत्रियों की ताजपोशी, विभागों में फेरबदल की तैयारी

श्रीनगर। एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करते हुए चार नए मंत्रियों को सरकार में शामिल किया। शपथ लेने वाले सभी चार नेता कश्मीर घाटी से हैं। इनमें एक महिला विधायक शमीम फिरदौस भी शामिल हैं। मंत्रिमंडल विस्तार से पहले सरकार के मौजूदा मंत्रियों ने मुख्यमंत्री को अपने औपचारिक इस्तीफे सौंपे। अब सरकार में विभागों के बंटवारे और फेरबदल की संभावना है। वहीं, मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिलने पर



विधायक मुबारक गुल ने निराशा जताई। उन्होंने कहा कि वह करीब 30 बार मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हो चुके हैं, लेकिन दुर्भाग्य से इस बार भी उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया। शपथ ग्रहण समारोह में नेशनल काॅन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता और सात

बार के विधायक अली मोहम्मद सागर ने उर्दू में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। सागर अपने राजनीतिक करियर में अब तक विधानसभा चुनाव नहीं हारे हैं। उन्होंने 2024 के विधानसभा चुनाव में श्रीनगर के खानयार निर्वाचन क्षेत्र से जीत दर्ज की थी।

मायावती ने जताई चिंता, बोलीं- नेताओं के बीच बढ़ती कटुता देशहित में नहीं

लखनऊ। एजेंसी

बसपा प्रमुख मायावती ने भारतीय राजनीति में बढ़ती कटुता, आपसी अविश्वास और आरोप-प्रत्यारोप पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक बयानबाजी का स्तर अब व्यक्तिगत टिप्पणियों, अमर्यादित भाषा, जातिवाद और हिंसक बयानों तक पहुंचना दुःखद है। इससे देश की गरिमा और राजनीतिक व्यवस्था पर जनता के भरोसे को नुकसान पहुंच सकता है। नेताओं को एक-दूसरे के प्रति सम्मान बनाए रखना चाहिए। आपत्तिजनक और विषैली राजनीति को किसी भी स्तर पर बढ़ावा नहीं दिया जाना चाहिए। संकीर्ण राजनीति के कारण लोगों का लोकतांत्रिक व्यवस्था पर विश्वास कमजोर होना देश और जनहित में नहीं है।



मेट्रो एंकर सहारनपुर की मां शाकंभरी कान्हा उपवन गोशाला में बन रहे लगभग दो लाख दीपक

पानी में तैरने वाले गोबर से बने अनोखे दीये की बड़ी मांग

सहारनपुर। एजेंसी

दीपावली पर इस बार नगर निगम की मां शाकंभरी कान्हा उपवन गोशाला में खास तरह के दीपक तैयार किए जा रहे हैं, जो जलने के बाद भी काम आएंगे। गाय के गोबर से बने इन दीपकों की खास बात यह है कि ये पानी में तैर सकते हैं और इनमें तुलसी के बीज भी डाले गए हैं। दीपावली के बाद इन्हें गमलों में डालने पर खाद के साथ तुलसी का पौधा भी उग सकता है। इन दीपकों की कीमत महज दो से तीन रुपये रखी गई है। इसके अलावा श्री गणेश और मां लक्ष्मी जी की मूर्ति, धूपबत्ती, त्वरण द्वार, गोमूत्र फिनाइल, गोबर से पेंट आदि तैयार किया रहा है। दीपावली के मद्देनजर सहारनपुर की इसी मां शाकंभरी कान्हा उपवन गोशाला में करीब 500 गोवंश है।



दीपावली पूर्व को लेकर गोशाला में विभिन्न तरह के गोमय उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। इन्हीं में गाय के गोबर से पानी में तैरने वाले दो लाख दीपक भी तैयार किए जा रहे हैं।

- संदीप मिश्रा, पशु कल्याण चिकित्सा अधिकारी

शुद्धता का रखते हैं ध्यान

इन दीपक को बनाने में विशेष रूप से शुद्धता का ध्यान रखा जाता है। पानी में घुलने पर भी इससे प्रदूषण नहीं होता है। यहां गाय के गोबर और गोमूत्र से विभिन्न तरह के उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। इन दीपकों को गोबर, गोमूत्र, मुल्लानी मिट्टी, चूना, मैदा, लकड़ी के पाउडर और तुलसी के बीज मिलाकर तैयार किया जा रहा है। इनकी खासियत यह है कि ये पानी में तैर सकते हैं और इस्तेमाल के बाद गमलों या क्यारियों में खाद के रूप में काम आ सकते हैं। इसके अलावा गोमूत्र से साफ-सफाई के लिए फिनाइल भी तैयार किया जा रहा है। यह सभी गोमय उत्पाद अमेजन पर उपलब्ध हैं। इसके लिए ऑनलाइन बुकिंग भी की जा रही है। पानी में तैरने वाले करीब दो लाख दीपक गोशाला में तैयार किए जा रहे हैं। नगर निगम द्वारा गोमय उत्पादों के बाजारों में स्टाल भी लगाए जाएंगे।